



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १४] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल ३, १९७६ (चैत्र १४, १८९८)

No. 14] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 3, 1976 (CHAITRA 14, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १ PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महासेवापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक २ मार्च १९७६

सं० ए० 12019/6/74-प्रशा० ११—संघ लोक सेवा आयोग की समसंबद्ध अधिसूचना दिनांक ४ सितम्बर, १९७५ के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एवं द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कें० स० स्टे० सेवा संवर्ग के स्थायी चयन ग्रेड अधिकारी और कें० स० स्टे० सेवा संवर्ग से प्रतिनियुक्ति पर आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री बूटा सिंह जैन को १ मार्च, १९७६ से अगले ६ मास की अवधि के लिये या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अध्यक्ष के विशेष सहायक के रूप में तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

श्री बूटा सिंह जैन अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के विशेष सहायक के संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वेतन समय समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय का० रु० सं० एफ० १० (२४)-व्यय III/६० दिनांक ४ मई, १९६१ में उल्लिखित उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

प्र० ना० मुख्यर्जी,
अवर सचिव,
कृते अध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक ५ मार्च १९७६

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III —इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या ए० 32014/1/75-प्रशा० III दिनांक १२-१-१९७६ के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० एन० संगा-मेशवरन को, राष्ट्रपति द्वारा १-३-१९७६ से १५-४-१९७६ तक, की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III —इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या ए० 32014/1/75-प्रशा० III दिनांक १२-१-१९७६ के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा १-३-१९७६ से १५-४-१९७६ तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्रभातनाथ मुख्यर्जी,
अवर सचिव,
(प्रशासन प्रभारी)

मंत्रिमंडल सचिवालय
कार्यालय और प्रशासनिक सुधार विभाग
प्रवर्तन निदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1975

नियुक्ति

फा० सं० ए०-११/३२/७५—श्री गुरु सदय दास, निरीक्षक (प्रवर्तन अधिकारी), केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, प्रभागीय कार्यालय, जोरहट को प्रवर्तन निदेशालय के गोहाटी धोकीय कार्यालय में प्रवर्तन अधिकारी के पद पर दिनांक 10-11-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 22 दिसम्बर 1975

फा० सं० ए०-११/३८/७५—एस० छुण्णमचारी, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क को, जो कि इस समय प्रवर्तन निदेशालय के मप्रास धोकीय कार्यालय में सहायक प्रवर्तन अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर है, इस निदेशालय के काली-कट उप-धोकीय कार्यालय में प्रवर्तन अधिकारी के पद पर दिनांक 12-12-75 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 19 जनवरी 1976

फा० सं० ए०-११/३७/७५—श्री एम० एन० श्रीनिवासन को प्रवर्तन निदेशालय के मधुरे उप-धोकीय कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर प्रवर्तन अधिकारी के पद पर दिनांक 1-1-76 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

नृपेन बक्षी,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

फा० सं० ए०-११/३५/७५—श्री बी० बी० सरकार सीमा-शुल्क समाहर्ता कार्यालय, बम्बई के मूल्य निरूपक को प्रवर्तन निदेशालय के कलकत्ता धोकीय कार्यालय में मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर दिनांक 21-11-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० जैन,
निदेशक

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1976

सं० टी०-८/७२ प्रशासन-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एत्य-द्वारा, तमिलनाडु राज्य पुलिस के प्रतिनियुक्त पुलिस उप-अधीक्षक श्री टी० आर० श्रीरामूलू को दिनांक 21-2-76 के

पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 मार्च, 1976

सं० ए०-१०३६/३/७६-प्रशासन-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, तमिलनाडु, राज्य पुलिस के प्रतिनियुक्त पुलिस उप-अधीक्षक श्री बी० एन० श्रीनिवासाराव को दिनांक 20-२-७६ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई विल्ली-110001, दिनांक 3 मार्च 1976

सं० ओ० II-1043/७६-स्थापना—राष्ट्रपति ले० कर्नल आर० एल० सरकार को तदर्थे रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में मुख्य चिकित्सक अधिकारी के पद पर उनकी 16-२-७६ पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर (ले० कर्नल) आर० एल० सरकार को बैस हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 6 मार्च 1976

संचया ओ० II-1042/७६-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर निभारण मोहन्ती को तदर्थे रूप में केवल 3 माह के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सक अधिकारी के पद पर उनकी 21-२-७६ अपराह्न से नियुक्त करते हैं।

डाक्टर निभारण मोहन्ती को 23 ब्रालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक प्रशासन।

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार, उड़ीसा का कार्यालय

भुबनेश्वर-75100, दिनांक मार्च 1976

सं० ओ० ओ० सी०-1517—महालेखाकार, उड़ीसा ने प्रसन्न होकर इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री पी० के० वत्त को कार्यवाहक लेखा अधिकारी पद के लिए 840-40-1000-दक्षतावरोध-40-1200 के बैतत मान पर पदोन्नति की स्वीकृति दी है जो 24-१२-७५ पूर्वाह्न से पुनरादेश तक लागू रहेगा।

बी० एस० भारद्वाज,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण रेलवे

मद्रास-600003, दिनांक 4 मार्च 1976

सं० ए०/पी० सी०/आर० के०/ 2621 —दक्षिण रेलवे
के मुख्य लेखा परीक्षक के कार्यालय के अधीन रेलवे लेखा परीक्षा
सेवा के स्थायी सदस्य श्री आर० कृष्णमूर्ति को, 5-2-76 (पूर्वाह्न)

से, आगामी आदेशों तक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद
पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया जाता है।

इस मामले में की गयी पदोन्नति केवल तबर्थ रूप से है
और यह सर्वोच्च न्यायालय के अन्तिम आदेशों पर अवलंबित
होगी।

के० पी० जोसफ
मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक,

नई दिल्ली-22, दिनांक 28 फरवरी 1976

सं० 40011(2)/ 75 प्रशा० ए०—(1) वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारी
प्रत्येक के नाम के सामने स्थायी लेखा परीक्षक के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिए गए/जाएंगे।

ऋग्म	नाम, रोस्टर संख्या सहित	में	पेंशन की स्थापना को अन्तरण की	संगठन
सं०			तारीख	

सर्व श्री

1.	जी० नरसिंहन (पी०/257)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण मद्रास।
2.	पी० डी० बहल (पी०/530)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
3.	एम० आर० के० शास्त्री (ओ०/ 25)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास।
4.	एस० के० राय (ओ०/ 39)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना (राष्ट्रीय केंद्रिय कोर निवेशालय आसाम एवं मेघालय को प्रतिनियुक्ति पर)
5.	एस० आर० तंवर (ओ०/ 63)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद।
6.	कश्मीरी लाल घावन (अभी नि- यत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधि- कारी	31-1-76	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।

श्री पी० डी० बहल स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 2-2-76 से 31-5-76 तक 120 दिन की अर्जित
छुट्टी मंजूर की गई है।

(2) केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) विनियमावली 1972 के नियम 48 के प्रावधानों के अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति
का नोटिस दे दिये जाने पर, श्री आर० भाष्यम, 'स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/ 525) को, जो राष्ट्रीय कैंडिट
कोर निवेशालय अहमदाबाद में प्रतिनियुक्ति पर सेवारत हैं और रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य कमान मेरठ की प्रोफार्मा नफरी
पर विद्यमान हैं। 30 अप्रैल, 1976 के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा।

(3) निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/75 प्रशा० ए० तारीख 22-1-76 के पैरा (2)
के रूप में जोड़ा जाता है।

"श्री टी० वी० नरसिंहन स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 9-1-76 से 29-2-76 तक 52 दिन की अर्जित
छुट्टी मंजूर की गई है।"

एस० के० सुन्दरम्,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डेनेस फैक्टरियां सेवा
महानिदेशालय, आर्डेनेस फैक्टरियां
कलकत्ता-69, दिनांक 4 मार्च 1976

सं० 1/76/एम० —वार्धक्य निवृत्ति आयु (अर्थात् 58 वर्ष एवं 1 वर्ष की वृद्धि) प्राप्त कर, डा० डी० पी० राय, स्थायी सहायक सर्जन प्रेस-1, राईफल फैक्टरी, ईशापुर, दिनांक 30 सितम्बर, 1975 (प्रपराह) से सेवा निवृत्त हुए।
आर० एम० मुजुमवार,
महा निदेशक,

कलकत्ता-16, दिनांक 10 अक्टूबर 1975

सं० 40/75/जी० —वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री वी० कृष्णमूर्ति, स्थानापन्न प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक) दिनांक 30 जून, 1975 (प्रपराह) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिलाय,
सहायक महानिदेशक

श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था
जगजीवन नगर, दिनांक 1 मार्च 1976

सं० प्रशासन-12 (1) जी०/ 76:—श्री ए० के० गांगुली स्थानापन्न लेखा अधीक्षक को केन्द्रीय चिकित्सालय, कल्ला, आसामसोल के चिकित्सा अधीक्षक के सचिव के रूप में तारीख 11-2-1976 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया है।

आर० पी० सिन्हा,
कोयला खान कल्याण आयुक्त

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई 20, दिनांक 5 मार्च 1976

सं० सी० ई० आर० / 6/ 76 —सूती वस्त्र (नियन्त्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर० / 6/ 76 दिनांक 3 जनवरी, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करता हूं अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में:—

1. क्रम संख्या 16 के सामने स्तंभ 2 में मद (2) के बाद निम्न निविष्ट किया जाएगा, अर्थात्:—
 - (3) निदेशक, उद्योग और वाणिज्य
 - (4) अपर निदेशक, उद्योग और वाणिज्य
 - (5) संयुक्त निदेशक, उद्योग और वाणिज्य (हाथ करघा)
2. क्रम संख्या 17 के बाद स्तंभ 1, 2 और 3 में निम्न प्रविष्टियां जोड़ दी जाएंगी, अर्थात्:—

} केवल सूत के लिये "

क्रम सं०	अधिकारियों के पदनाम	राज्य का नाम
1	2	3
"18	(1) राज्य वस्त्र आयुक्त (2) संयुक्त निदेशक पूर्ति (3) उप-निदेशक पूर्ति (4) सभी उप-आयुक्त (5) सभी उप-मंडल अधिकारी (6) पंजीयक/संयुक्त पंजीयक/ उप-पंजीयक सहकारी समितियां	{ मेघालय

1

2

3

19	(1) निदेशक, रसद पणजी (2) उपनिदेशक, रसद (3) निरीक्षक, रसद (4) उप-निरीक्षक, रसद (5) सहायक निरीक्षक, रसद (6) नागरीय प्रशासक, दीव (7) खण्ड विकास अधिकारी, दमण	} संपूर्ण कर्नाटक राज्य में अपने जिले की राजस्व-सीमा के अन्दर बैंगलूर नगरपालिका क्षेत्र को छोड़कर योष राजस्व बैंगलूर जिले में बैंगलूर नगरपालिका क्षेत्र की सीमा में	गोवा दमण, और दीव के संघ-शासित क्षेत्र
20	(1) निदेशक खाद्य और रसद कर्नाटक, बैंगलूर (2) बैंगलूर छोड़कर अन्य सभी जिलों के उप-आयुक्त (3) उप-आयुक्त, बैंगलूर जिला, बैंगलूर (4) सहायक निदेशक खाद्य और रसद (रसद-पक्ष) बैंगलूर		संपूर्ण कर्नाटक राज्य में अपने जिले की राजस्व-सीमा के अन्दर बैंगलूर नगरपालिका क्षेत्र को छोड़कर योष राजस्व बैंगलूर जिले में बैंगलूर नगरपालिका क्षेत्र की सीमा में
21	(1) उप-आयुक्त अंडमान जिला (2) पूर्ति अधिकारी, अंडमान निकोबार द्वीप-समूह	} संपूर्ण राज्य में अपने जिले में	अंडमान निकोबार द्वीप-समूह
22	(1) निदेशक, खाद्य और पूर्ति (2) संयुक्त-निदेशक, खाद्य और पूर्ति		पंजाब
23	(1) निदेशक, वस्त्र (2) संयुक्त-निदेशक, वस्त्र (3) उप-निदेशक, वस्त्र (4) जिला कलकट्टर (5) उप-मंडल अधिकारी (6) सहायक निदेशक, वस्त्र	} संपूर्ण राज्य में अपने जिले में अपने उप-मंडल में अपने अधिकार क्षेत्र में	उड़ीसा
24	(1) निदेशक खाद्य और पूर्ति		हिमाचल प्रदेश

दिनांक 6 मार्च 1976

सं० 18 (1)/73-75/सी० एल० वी० II—वस्त्र (शक्तिचलित करघों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1956 के खण्ड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 15(2) /67-सी० एल० वी० II/वी० दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में ऋम संख्या 12 के सामने स्तंभ 2, 3 और 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

1	2	3	4
“12 (1) निदेशक, उद्योग पंजाब	.	पंजाब	6, 6 सी, 7 ए, 8 और 8 ए०
(2) राज्य वस्त्र अधिकारी, पंजाब	.	पंजाब	“
(3) संयुक्त निदेशक उद्योग, पंजाब	.	पंजाब	“
(4) सहायक निदेशक उद्योग, पंजाब	.	पंजाब	6 और 7
(5) सभी जिला उद्योग अधिकारी/ जिलों के कार्यभारी परियोजना अधिकारी (उद्योग)	.	पंजाब में उनके श्रधि- कार क्षेत्र में	6 (केवल स्थानातरण)

सं० सी० एल० बी० 1 / 1/6-जी०/76:—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 34 में प्रदत्त ग्रन्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्वस्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त का अधिसूचना सं० सी० एल० बी० 1 / 1/6-जी० 71 दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करता हूं अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संबंध सारणी में क्रम संख्या 12 के सामने स्तंभ 2, 3 और 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

1	2	3	4
"12 (1) निदेशक उद्योग पंजाब	पंजाब	12 (6), 12 (6ए), 12 (7ए)	12 (7एए), 12 सी और ₹21
(2) राज्य वस्त्र अधिकारी, पंजाब	"	"	"
(3) संयुक्त निदेशक उद्योग, पंजाब	"	"	"
(4) सहायक निदेशक उद्योग, पंजाब	"	12 (6) और 12 सी	
(5) वस्त्र अधिकारी विपणन तथा विकास, पंजाब, अमृतसर	"	12 (7ए)	
(6) सभी जिला उद्योग अधिकारी/ जिलों के कार्यभारी परियोजना अपने जिलों 12 (6) के बल स्थानान्तरण के अधिकारी (उद्योग)	में	लिये 12 (7ए)"	

अनिल कुमार चन्द्रा, संयुक्त वस्त्र आयुक्त

उद्योग एवं नागरिक पूर्ति संन्नालय
श्रीद्वयिक विकास विभाग.
विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1976

संख्या 19018/230/75 प्रशा० (जी०) :—विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली लघु उद्योग शाखा संस्थान, आगरा में स्थाई अधीक्षक श्री जे० आर० मल्होत्रा को लघु उद्योग सेवा संस्थान श्रीनगर में आजकल जम्मू में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (वर्ग-2) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री जे० आर० मल्होत्रा ने सहायक निदेशक के पद भार को दिनांक 28-1-76 के पूर्वाह्न में संभाल लिया है।

सं० 19018/231/75-प्रशा० (मु०) :—विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली, लघु उद्योग सेवा संस्थान कानपुर के स्थाई उच्च श्रेणी क्लर्क, व इस समय अधीक्षक के पद पर काम कर रहे श्री एम० एल० सरीन को 1-1-76 से 28-2-76 तक के अवकाश की स्वीकृति पाने वाले श्री एस० बी० सेन गुप्ता के स्थान पर, तदर्थ आधार पर, उसी संस्थान में सहायक निदेशक (वर्ग-2) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री एम० एल० सेन ने 1-1-76 के पूर्वाह्न में सहायक निदेशक (वर्ग-2) के पद पर कार्यभार सम्भाल लिया है।

बी० बैंकेटरायुलु,
उप निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति विभाग
पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग -1)

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1976

सं० प्र०-1/1(379) —राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय

पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) श्री बी० नागराज को दिनांक 16 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) के पद पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री नागराज की निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) के पद पर नियुक्ति 1976 की दीवानी याचिका सं० सी० डब्ल्यू-1033(डी० बी० केस) श्री डी० कें० शुक्ल बनाम भारत सरकार केस में छिवीजन बैच द्वारा दिए गए आदेश सं० सी०-एम० 210/डब्ल्यू० /76 दिनांक 5-2-76 के अधीन होगी जो उनके पत्र सं० 2475-11 सी० डब्ल्यू० दिनांक 6-2-76 द्वारा अप्रेषित किया गया।

कें० एल० कोहली;
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

पूर्ति, पुनर्वास तथा खाद्य और कृषि मन्त्रालय
मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1976

संख्या आर० ओ० सं० प्रशा० (सी डी एन) /185 —वरिष्ठ उप मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी, पूर्ति, खाद्य व पुनर्वास, कलकत्ता के स्थायी वेतन तथा लेखा अधिकारी श्री आर० सी० राय चौधरी, सेवा निर्वासन की आयु पर पहुंचने पर दिनांक 31 जनवरी, 1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

डी० बी० जैन,
मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी

दृस्थात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 6 मार्च 1976

सं० ए० 19012 (72) /75-सिक्षणदी ए०—ग्रधिमूचना सं० ए० 19012/(72) /75-सिक्षणदी० ए० दिनांक 20 सितम्बर, 1975 की अनुवृत्ति में श्री आर० बी० देशमुख, अधिस्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) को दिनांक 6-1-1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक इस विभाग में स्थायी आधार पर सहायक खनन भूविज्ञानक के पद पर स्थानापन्न रूप में पदोन्नति की जाती है।

डॉ एन० भार्गव,
नियंत्रक

नागपुर, दिनांक 6 मार्च, 1976

सं० ए० 19011 (97)/76-सि० ए०—राष्ट्रपति भारतीय खान ब्यूरो के कनिष्ठ खनन-भूविज्ञानी श्री एस० सी० घोषाल को 19 फरवरी, 1971 के अपराह्न से आगामी आदेश होने तक उसी विभाग में स्थानापन्न वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी के रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

ए० के० राघवाचारी,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी
हते नियंत्रक

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता, 700019, दिनांक 3 मार्च 1976

संख्या 35-2/75-स्था—राष्ट्रीय एटलस संस्था के स्थायी वरिष्ठ अनुसंधान सहायक डॉ के० एस० सिवस्वामी को, जो इस समय प्रतिनियुक्त विदेश सेवा शर्तों पर जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्य कर रहे हैं, राष्ट्रीय एटलस संस्था में 4 अगस्त, 1975 से आगामी आदेश तक वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से प्रोफार्मा पदोन्नति की जाती है।

एस० पी० दासगुप्ता,
नियंत्रक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता 12, दिनांक 28 फरवरी 1976

सं० एफ० 104-1/73—स्थापना/3782—भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के नीचे लिखे अस्थाई सहायक प्राणि वैज्ञानिकों को उनके नामों के सामने दिए गए तारीख से स्थाई आधार पर सहायक प्राणि वैज्ञानिक के रूप में नियुक्त किया जा रहा है:—

- | | |
|-------------------------|-------------|
| 1. श्री टी० वैकटेश्वरलू | 10-12-75 से |
| 2. डॉ एस० के० मित्रा | —वही— |
| 3. श्री के० एन० नायर | —वही— |

4. डॉ जे० एम० जुल्का	10-12-75 से
5. डॉ मैमन काशी	—वही—
6. डॉ सी० बी० श्रीवास्तव	—वही—
7. डॉ जी० एम० याजदानी	—वही—
8. श्री पी० के० दास	—वही—
9. डॉ अमल भट्टाचार्या	24-1-1976 से
10. श्री एम० के० विश्वास	—वही—
11. श्री के० बी० सुर्याराम	—वही—
12. श्री एस० चक्रपाणी	—वही—
13. श्री वाई० चतुर्वेदी	—वही—
14. डॉ आर० के० कक्षकलः	—वही—
15. कुमारी माया देव	—वही—
16. श्री एच० पी० अग्रवाल	—वही—

डॉ स० खेरा,
उप निदेशक प्रभारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1976

सं० 2/4/75-स्टाफ-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री के० बी० कुरियाको को स्थानापन्न रूप में 26-2-76 पूर्वाह्न से अगले आवेश होने तक, उच्च शक्ति प्रेषित आकाशवाणी, मलाड, बम्बई में सहायक इंजीनियर के संबंध में नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उपनिदेशक,
कूते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1976

संख्या ए० 31014/1/74-स्टाफ-छ : (बाल्यम - तीन)—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री आर० एस० मनसुखानी को, जो 19-12-75 (पूर्वाह्न से सेवा-निवृत्त हो गए थे, उन्हें 20-5-72 से उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, किंजवडे, दिल्ली में सहायक इंजीनियर के मूल पद पर नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिंहा,
प्रशासन उपनिदेशक
कूते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1976

सं० 33-2/75-एडमिन-1—ग्रधिवार्षिकी वय की प्राप्ति पर सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली की कनिष्ठ जीव-रसायनशा डॉ (श्रीमती) हेमा लाल 31 जनवरी, 1976 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गई।

सं० ए-32013/1/76-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नवी दिल्ली की परिचर्या अधिकारी, श्रीमती श्रीमती आर० के० सूद को कुमारी ए० चेरियन, जो कि छुट्टी

पर हैं, के स्थान पर 26 दिसम्बर, 1975 से 28 फरवरी, 1976 तक उसी निदेशालय में उपचर्या सलाहकार के पद पर नियुक्त किया है।

उपचर्या सलाहकार के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्रीमती आर० के० सूद ने 26 दिसम्बर, 1976 के पूर्वाह्न को इस निदेशालय में उपचर्या अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 8 मार्च 1976

सं० 10-8-74-एडमिन-1—राष्ट्रपति ने श्रीमती प्रतिमा दासगुप्ता को केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता, में 19 दिसम्बर, 1975 से आगामी आदेशों तक वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

सं० 17-4/75-एडमिन 1—राष्ट्रपति ने डा० एन० विजयकृष्णन् नायर को 18 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली, में सलाहकार (पोषण) के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

शुद्धि-पत्र

सं० 13-4/74-एडमिन-1—इस निदेशालय की 21 अक्टूबर, 1975 की अधिसूचना सं० 13-4/74-एडमिन-1 में “12 सितम्बर, 1975 के अपराह्न” शब्दों के स्थान पर “12 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न” पढ़ें।

सं० 28-12/70-2 एडमिन-1—राष्ट्रीय मलेरिया उन्मुखीन कार्यक्रम दिल्ली, में उप निदेशक (एल० एण्ड ए०) के पद का दर्जा घटाकर सहायक निदेशक (नान मेडिकल) किए जाने के फल स्वरूप श्री ए० प्रार० निम को जोकि उप-निदेशक (एल० एण्ड-ए०) के पद पर तदर्थ आधार पर काम कर रहे थे, 7 फरवरी, 1976 के अपराह्न से सहायक निदेशक (नान-मेडिकल) के पद पर परावर्तन कर दिया गया है।

दिनांक 9 मार्च 1976

सं० 9-17/75-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती नीना पुरी (सूरी) को 24 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राजकुमारी अमृतकौर परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली में वाक्-चिकित्सक के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्वल, उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च, 1976

सं० 20/6(2)/75-सी० जी० एच० एस० 1—अपना त्यागपत्र स्वीकार हो जाने के फलस्वरूप डा० (श्रीमती) आर० राधा विजयम, जी० डी० ओ० ग्रेड 2—(तदर्थ) ने 11-2-1976 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

के० वेणुगोपाल, उप निदेशक, प्रशासन

कृषि एवं सिन्चाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1976

सं० 2(7)/70-स्था०(1)—श्री गूरुद्याल गूलाटी अधीक्षक (कोटि द्वितीय) विस्तार निदेशालय, कृषि एवं सिन्चाई मंत्रालय की अधीक्षक (कोटि प्रथम) श्रेणी द्वितीय (राजपत्रित) (लिपिक वर्गीय) के पद पर तत्काल से आगामी आदेश तक तदर्थरूप से स्थानापन्न पदोन्नति कर दी गई है।

निर्मल कुमार दत्त, प्रशासन निदेशक

(खाद्य विभाग)

राष्ट्रीय शर्करा संस्था

कानपुर, दिनांक 27 फरवरी 1976

सं० स्था०-३(1)/67-४—२८३४२—श्री आर० बी० निगम की नियुक्ति मूल रूप से कनिष्ठ प्राविधिक अधिकारी (रसायन इंजी०) के स्थाई पद पर ह० ६५०-१२०० के वेतन अम में राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर में दिनांक १९ सितम्बर, १९७३ (पूर्वाह्न) से की जाती है।

एन० ए० रामच्या, निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

(नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना)

बम्बई-५, दिनांक 16 फरवरी, 1976

सं० एन० ए० पी० पी०/१८/१२३/७५-प्रशा०/८२३—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के वरिष्ठ आशूलिपिक श्री पी० वेणुगोपालन को 24 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से प्राप्त आदेश तक ६५०-३०-७४०-३५-८८०-८० रो०-४०-९६० रुपए के संशोधित वेतनमान में ६५०/-रुपए मासिक के प्रांरम्भिक वेतन पर नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में अस्थाई रूप से सहायक कार्यक्रम अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एन० जी० पेर्सेकर, प्रशासन-अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-४००००८, दिनांक 18 फरवरी 1976

सं० भापाप०/स्था०/१८-३/१०५७—भारी पानी परियोजनाओं के, विषेष कार्य-अधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के श्री किशोर चन्द्र मध्यूरादास धंधा, स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक जो अब भारी पानी परियोजनाएं (मूल्य कार्यालय) में स्थानापन्न लेखापाल हैं, को भारी पानी परियोजना (बडोदा) में श्री सी० आर० वालिया, सहायक लेखा अधिकारी, जो ता० प० ब्रि० के० को वापिस भेज दिए गए हैं, के स्थान पर जनवरी ३१, १९७६ (पूर्वाह्न) से ९० दिन के लिए सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति, वरिष्ठ प्र० ओ०

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद, 500016, दिनांक 26 फरवरी, 1976

सं० ए० एम० डी०-2/800/59-प्रशा०—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के नियेशक उसी अधिकारी के एक स्थायी उपचारक/स्थानापन्थ अधिकारी श्री सोमनाथ सचिव को 6 दिसम्बर, 1976 के प्रपत्रहूँ से लेकर 29 फरवरी, 1976 के अपराह्न तक के लिए पूर्णतः प्रस्थाई रूप से सहायक कार्यालय अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन, वरिष्ठ प्र० एवं लेखा अधि०

सिएस्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपनकम, दिनांक 4 मार्च, 1976

मुद्रित-पत्र

सं० आर० आर० सी०-II-1(25)/72-पी०-445—इस केन्द्र की दिनांक 10 जनवरी, 1976 की समसंबंधीक अधिसूचना के इन्हीं स्थानात्मक में 'स्थाई प्रबन्ध कोटि लिपिक' के स्थान पर 'अस्थाई इन्वर्टर कोटि लिपिक' पढ़ा जाए।

के० संकरनामांशण्ठ, वरिष्ठ प्रशासन-अधि०

पर्सटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च, 1976

सं० ई० (1) 05131—वेधशालाओं के महानियेशक एवं द्वारा क्रियेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० आर० सेषाद्रि, जिन्हें इस विभाग की अधिसूचना सं० ई० (1) 05131 दिनांक 5-2-76 द्वारा 18-2-76 तक स्थानापन्थ सहायक मौसम किशोवश के रूप में नियुक्त किया गया था, को 19-2-76 के पूर्वाह्न से 7-4-76 तक 49 दिन की प्रवधि के लिए स्थानापन्थ सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री सेषाद्रि स्थानापन्थ सहायक मौसम विशेषज्ञ नियेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 10 मार्च, 1976

सं० ई० (1) 05195—वेधशालाओं के महानियेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र नई दिल्ली के नियेशक के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० के० वास को 16-2-76 के पूर्वाह्न से 14-5-76 तक नवासी दिन की प्रवधि के लिए स्थानापन्थ रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री एस० के० दास स्थानापन्थ सहायक मौसम क्रियेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र नई दिल्ली के नियेशक के कार्यालय में सैनात रहेंगे।

एम० आर० एत० अनिष्ट, मौसम विशेषज्ञ
कृते वेधशालाओं के महानियेशक

महानियेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च, 1976

सं० ए० 32014/2/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने, श्री आर० एल० रेलवानी, तकनीकी सहायक, वैभानिक संचार स्टेशन, बम्बई को 9 फरवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से तथा आदेश होने तक नियमित आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उनको उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

दिनांक 4 मार्च, 1976

सं० ए०-32013/4/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने, वैभानिक संचार स्टेशन कलकत्ता के श्री बी० झार, सहायक तकनीकी अधिकारी को क्षेत्रीय नियेशक कलकत्ता के कार्यालय में 2 फरवरी, 1976 (पूर्वाह्न) से नियमित आधार पर तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 5 मार्च, 1976

सं० 32013/1/75-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री एन० जान को, जो कि नियंत्रक वैभानिक नियेशक बम्बई के कार्यालय में विमान नियेशक, (तदर्थ आधार पर) के पद पर कार्य कर रहे हैं, उसी कार्यालय में 24-11-1975 से नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-32013/9/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने विवेशक रेलवानो नियंत्रण एवं विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री श्री० के० वर्मा, तकनीकी अधिकारी को 17-10-1975 से तथा आकासे आदेश होने तक सदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद में नियुक्त किया है तथा उन्हें क्षेत्रीय नियेशक बम्बई के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 8 मार्च, 1976

सं० ए०-12025/3/71-ई० एस० जिल्द-II—महानियेशक नागर विमानन ने श्री हरि भिन्न फुल को 9 जनवरी, 1976 से क्षेत्र आकासे आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप में सहायक विमान नियेशक के पद पर नियुक्त किया है तथा उन्हें क्षेत्रीय नियेशक, कलकत्ता के कार्यालय में तैनात किया है।

ह० ल० कोहली, उपनियेशक प्र०

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 3 मार्च, 1976

सं० 1/401/76-स्था०—श्री आर० एन० साहा को 29 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक कलकत्ता शाखा में प्रस्थाई रूप से सहायक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दमाले, महानियेशक

बम्बई, दिनांक 5 मार्च, 1976

सं० 1/330/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानियेशक एवं विवेशक भास्त्र शाखा के पर्यावेशक, श्री पी० पी० पिल्लै को

अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 1-12-75 से लेकर 21-2-76 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर, उप निवेशक (प्रशा०)
कृत महानिवेशक

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहतालिय
पटना, दिनांक 2 मार्च, 1976

सं० 11(7) 5 स्था०/-/75/1999—श्री आर० मिज, स्थानापन्न अधीक्षक द्वितीय श्रेणी, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहतालिय, पटना दिनांक 31-1-76 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

हरिनारायण साहू, समाहता

समाहतालिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मध्य प्रदेश
एवं विवर्भ : पौ० बा० नं० 81

नागपुर-440001, दिनांक 2 मार्च, 1976

सं० 4/76—श्री एन० डी० मेश्राम, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श्रे०) ने उनके स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी II के पद पर नियुक्ति होने पर दिनांक 28-1-1976 के पूर्वाह्न में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बहुपदीय अधिकारी रेंज, सतना का पदभार संभाल लिया।

सं० 5/76—श्री एम० एल० खोलकुटे, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श्रे०) ने उनके स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी II के पद पर नियुक्ति होने पर दिनांक 30-1-1976 के पूर्वाह्न में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, (निरीक्षण समूह) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग व्यालियर का पदभार संभाल लिया।

सं० 6/76—अधोहस्ताक्षरी सखेद यह अधिसूचित करते हैं कि नागपुर समाहर्ता क्षेत्र के श्री बी० पी० वर्मा, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी II का दिनांक 3 जनवरी, 1976 को स्वर्गवास हो गया।

मनजीत सिंह, बिन्द्रा, समाहर्ता

निरीक्षण निवेशालय
सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च, 1976

सं० 1/76—बड़े प्रौद्योगिक घरानों से संबंधित जांच आयोग में प्रतिनियुक्त श्री पी० के० सेन गुप्ता ने, आयोग से वापस आने पर, दिनांक 26 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से निरीक्षण निवेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के मुख्यालय में निरीक्षण अधिकारी (सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) श्रेणी-1 का कार्यभार संभाल लिया है। [सं० सं० 1041/13/76]

एस० वेंकटरामन, निरीक्षण निवेशक

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च, 1976

सं० 27-ई०/डी० (2)/69-ई० सी०-II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी दार्ढ्र्यका की आयु प्राप्त करने पर 29-2-76 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए:—

नाम	वर्तमान पदनाम
सर्वेश्वरी	कार्यपालक इंजीनियर, मुल्यन एकक-4, आयकर विभाग, कलकत्ता ।
1. एस० के० दास	कार्यपालक इंजीनियर, मुल्यन एकक-5, आयकर विभाग, कलकत्ता ।
2. पी० सी० सरकार	पी० एस० परवानी, प्र०, उप-निवेशक

हाले मुख्य इंजीनियर

केन्द्रीय विजली प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च, 1976

सं० 6/2/76-प्रशा०-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विजली प्राधिकरण श्री लक्ष्मी नारायण-1, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विजली इंजीनियरी श्रेणी-2 सेवा के अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 16-2-76 से एतद्वारा नियुक्त करते हैं।

सं० 6/2/76-प्रशा०-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विजली प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को केन्द्रीय विजली इंजीनियरी श्रेणी-2 सेवा के अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उनके नामों के आगे लिखी गई तारीखों से, जब तक अन्य आवेदन जारी नहीं किए जाते, नियुक्त करते हैं:—

- | | |
|-------------------------|---------|
| 1. श्री बी० के० शर्मा | 2-2-76 |
| 2. श्री सुभाष चन्द्र | 5-2-76 |
| 3. श्री एस० के० अग्रवाल | 5-2-76 |
| 4. श्री एस० एस० हैवर | 6-2-76 |
| 5. श्री जे० के० गुप्ता | 10-2-76 |
| 6. श्री बी० पी० भन् | 9-2-76 |

सन्तोष विश्वास, अवर सचिव

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी, 1976

सं० 722-ई०/633(ई०/ए०)—भारतीय रेलवे यांत्रिक इंजीनियरी सेवा विभाग के निम्नलिखित अधिकारी रेल सेवा से प्रत्येक के सामने प्रक्रित तारीख से सेवा निवृत्त कर दिए गए हैं:—

1. श्री कैलाश नाथ, 16-12-75 अपराह्न से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (प्र० का०)

२. श्री डी० पी० सक्सेना,
सहायक यांत्रिक इंजीनियर
(प्र० का०)

वेद प्रकाश साहनी, महाप्रबन्धक

दक्षिण पूर्व रेलवे
महाप्रबन्धक का कार्यालय
कलकत्ता—700043, दिनांक 3 मार्च 1976

सं० का०/जी०/चिकित्सा/गोपनीय/भाग—II—डा० एम०
सी० महिलक, स्थानापन्न सहायक चिकित्सा अधिकारी (डितीय
श्रेणी) को चिकित्सा विभाग में 2 फरवरी 1966 से अनंतिम रूप
से पुष्ट किया जाता है।

वरिष्ठता का अम अनंतिम रूप से माना जाए।

एम० मेनेजिंग, महाप्रबन्धक

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कंपनी अधिनियम 1956 और व्ही पॉल दी सौझा (फीड)
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

गोवा, दिनांक 27 फरवरी, 1976

सं० 130/जी—कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 560
की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि व्ही
पॉल दी सौझा (फीड) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर
से काट दिया गया है और उक्त कंपनी विषट्टित हो गई है।

डॉ आर० घोटे, कंपनियों का रजि०

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आर० एम० डॉ० सी०
(मैसूर) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बैंगलूर, दिनांक 16 मार्च, 1976

सं० 580/560/75—कंपनी अधिनियम 1956 की धारा
560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी
जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आर० एम०,
डॉ० सी० (मैसूर) प्राइवेट लिमिटेड का नाम उसके प्रतिकूल कारण
दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त
कंपनी विषट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स श्री कृष्णा एजेन्सीज
लिमिटेड के विषय में

बैंगलूर, दिनांक 3 मार्च, 1976

सं० 1227/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स
श्री कृष्णा एजेन्सीज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित
न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कंपनी
विषट्टित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लाडवास प्राइवेट कंपनी
लिमिटेड के विषय में।

बैंगलूर, दिनांक 3 मार्च, 1976

सं० 469/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956, की धारा
560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी
जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्म लाडवास
प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया
गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कंपनी विषट्टित
कर दी जाएगी।

प्रबोध
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और टैकनोप्राफ कारपोरेशन
(इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1976

सं० 2227/39/61—कम्पनी अधिनियम 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर टैकनोप्राफ
कारपोरेशन (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल
कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और
उक्त कंपनी विषट्टित कर दी जाएगी।

मनमोहन सिंह जैन,
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार विस्ती व हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और कपूर एण्ड कपूर प्रा० लिमिटेड
के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1976

सं० 4502/493/4007—कम्पनी अधिनियम 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना
दी जाती है कि कपूर एण्ड कपूर प्रा० लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार
से काट दिया गया और उक्त कंपनी विषट्टित हो गई है।

सी० कपूर

सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज

कम्पनी अधिनियम, 1956 और असम बैंकिंग कारपोरेशन
लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 8 मार्च, 1976

सं० 641/560/887—कम्पनी अधिनियम की धारा
560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी
जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर असम बैंकिंग
कारपोरेशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न
किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कंपनी
विषट्टित कर दी जाएगी।

एस० पी० विश्वास,
कम्पनियों का सब-रजिस्ट्रार
असम, मेधालय, मणिपुर, त्रिपुरा, नागालैंड, असम-आसम
प्रदेश व मिजोरम।

प्ररूप धाई० टी० एन० लस०—

(1) श्री ईम्मु भुवण बीद।

(प्रत्यक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 5 मार्च 1976

निवेद सं० टि० आर० 115/सि०-119/कल०-1/75-76:—

प्रतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 51/1, और 51/2 है तथा जो निम्नल चन्द्र सेन स्ट्रीट 1 चैतण सेन लेन में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरमेन्ट प्रैस, नार्थ कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पंक्ति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसी अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बोस्टविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रैक्ट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

(2) श्रीमती दीपाली हाजरा एण्ड नमिता हाजरा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना औरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिके द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

51/1, 51/2, निम्न चन्द्र सेन स्ट्रीट एण्ड 1 चैतण सेन लेन कलकत्ता में अव स्थित 4 कट्टा 15 छटांक 19 बर्गफीट जमीन पर आशिके एक ग्रौंर और तैला मकान का 1/2 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1
54, रफीअहमद किलवाई रोड,
कलकत्ता-16तारीख : 5 मार्च 1976
मोहर :

प्रख्य आई०टी०एम०एस०——
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, दिल्ली-1
4/14-ए० आसफाली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली-1 दिनांक 13 फरवरी 1976

निवेश सं० आई० ए० सी०/एच००/१/एस० आर०-111/
अक्टूबर-11/(19) 75-76—यतः मुझे चं० वि० गुप्ते
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के प्रधीन संकलन प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खसरा नं० 7/15, 6/11, 6/12, 21/20 है,
जो जोगापुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 24-10-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति:-

1. श्रीमती मुक्ता सिन्हा पत्नी श्री शैलेन्द्र प्रकाश सिन्हा,
निवासी एडवर्ड हाउस, अराह (बिहार)।
(अन्तरक)

2. श्री शशुषन प्रशाद सिन्हा, सुपुत्र श्री भुवनेश्वर प्रशाद
सिन्हा, निवासी 'रामायण' 9वीं मंजिल, जूह, विश्वे पारले
स्कीम, बम्बई-56।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थानकर सम्पत्ति में हिस्सा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कृषि भूमि का प्लाट जिसका खसरा नं० 7/15, 6/11,
6/12/ तथा 21/20 है, और क्षेत्रफल 15 बीघा तथा 4 बिसदा है,
तथा जोकि जोगापुर गांव, तहसील महरौली, दिल्ली में स्थित है।

चं० वि० गुप्ते
संकलन प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

दिनांक : 13-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ प्रली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1976]

निर्देशांशं आई० ए० सी०/एच०/१/एस०आर०-III/अस्तूबर-II (21)/75-76—यतः मुझे चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 5/21, 6/1 तथा 6/2 है, जो जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 24-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्रीमती उमा सिन्हा, पत्नी श्री बालेश्वर प्रशाद,
निवासी 'अम्बकाश' छज्जू बाग, पटना (बिहार)
(अन्तरक)

2. श्रीशत्रुघ्न प्रशाद सिन्हा, सुपुत्र श्री भुवनेश्वर प्रशाद सिन्हा,
निवासी 'रामायण' 9 बां, मंजिल, जूह, विले पारले स्कीम,
बम्बई-56 ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यायों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कृषि भूमि का प्लाट जिका खसरा नं० 5/21, 6/1, तथा 6/2 है, और क्षेत्रफल 7 बीघा, तथा 11 बिसावा है, तथा जोकि जोनापुर गांव, तहसील महरौली, दिल्ली में स्थित है।

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 फरवरी, 1976
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1976
निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एच००/१/एस०आर-III/
प्रकृत्याकृत-II (17)/75-76—यतः मुझे, च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खसरा नं० 7/25 और 6/21 है, जो जीनापुर गांव,
तहसील महरीली, नईदिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय नईदिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 24-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रेनका सिन्हा, पत्नी श्री सत्या देवा प्रकाश सिन्हा,
निवासी एडवर्ड हाउस, आराह (बिहार)
(अन्तरक)
2. श्री शत्रुघ्न प्रशाद सिन्हा, सुपुत्र श्री भुवनेश्वर प्रशाद सिन्हा,
निवासी 'रामायण' ७वा मंजिल, जूह विले पारलै, स्कीम,
बम्बई-५६।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों में शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कुषी भूमि का प्लाट जिसकी सं० खसरा नं० 7/25 तथा
6/21 है, और भेन्नफल ९ बीघा तथा ९ बिस्ता है, जीनापुर गांव,
तहसील महरीली, दिल्ली में स्थित है।

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 13 फरवरी, 1976
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 फरवरी 1976

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
अक्तूबर-11(22)/75-76—यसः मुझे चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 6/9, 6/10, 4/25, 7/5 है, जो जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्य ग्रन्त सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-10-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रन्त सरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती उमा सिंहा, पत्नी श्री बूबेश्वर प्रशाद निवासी 'प्रवकाश' छाजू थाम, पटना (बिहार)
(अन्तरक)

2. शत्रुघ्न प्रशाद सिंहा, सुपुत्र श्री भूबेश्वर प्रशाद सिंहा, निवासी 'रामायण' 9वीं मंजिल, जूह विल्स पारले, बम्बई-54।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करला है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ज्ञ किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

एप्पोक्टरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-का में परिचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कृषि भूमि का प्लाट जिसका खसरा नं० 6/9, 6/10, 4/25 तथा 7/5 है, और अक्तूबर 13 बीमा तथा 3 बिसवा है तथा जोकि जोनापुर गांव, तहसील महरौली, दिल्ली में स्थित है।

च० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 घर्जन रेंज-1, दिल्ली-1
 4/14-क, आसपश्चली मार्ग, नई दिल्ली
 नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/१/एस०आर०-III (15)/
जुलाई-१/वी० सी०-१८२—प्रसः मुझे चं० वि० गुप्ते
प्रायकर प्रधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा २६९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एन-१३३ का १/२ भाग है सथा जो ग्रेटर कैलाश,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड प्रनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम १९०८ (१९०८ का १६)
के अधीन ४-७-१९७५

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उभत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(४) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविष्ठा के लिए;

अतः, अब उक्त मध्यनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मध्यनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रभीत निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवर्षतः—

1. श्री राजीन्द्र पाल औपड़ा, सुपुत्र श्री आल मुकन्द औपड़ा,
निवासी 41, सैरेक्टर 27-ए, चंडीगढ़ (पंजाब)
(अन्तरक)
 2. श्री सुखसागर छिंगरा, सुपुत्र श्री भगवान वास डोंगरा,
निवासी एफ-3/15, कृष्ण नगर, दिल्ली-51।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20-के परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एम-133 का 1/2 भाग जिसका क्षेत्र फल 154 बर्ग गज है और जोकि ग्रेटर फैलाश, कालानी, नर्ह दिल्ली, जामारपुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :-

पृष्ठ : प्लाट नं० एन-135

प्रिष्ठा : प्लाट नं० एम-131

उत्तर : रोड

इक्षिण : सर्विस लैन

चं० वि० गुप्ते
सक्षम अधिकारी

तारीख: 16 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रख्य आई०टी०एम०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14-क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1976

निदश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/१/एस० आर०-III/
1014/सबम्बर-II/३/शी० सी०-164/75-76—यतः मुझे चं०
वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डब्ल्यू-151 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूपसे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 19-11-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस अन्तरण
लिखित में वासितवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में
कमी करने या उससे अच्छे में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर बीर सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री अतर सिंह,
निवासी ए-7, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली-48
(अन्तरक)

2. श्री अमरीत लाल चौपड़ा, विजय कुमार चौपड़ा,
सुपुत्र श्री सी० एल० चौपड़ा, निवासी चौपड़ा अवन
287, यंग रोड, आसनसोल, (बैस्ट बंगाल)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्र फल 542.5
वर्ग गज है, और नं० डब्ल्यू-151 है तथा जोकि निवासी कालोनी
ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली, दिल्ली राज्य की यूनियन
टैरीटी, दिल्ली नगर निगम के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न प्रकार
से स्थित है :—

पूर्व : रोड

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : डब्ल्यू-149

दक्षिण : प्लाट नं० डब्ल्यू-153

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 16 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली

4/14-क, आसफशाली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1976

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
(16)/जुलाई-1/वी० सी०-181/75-76—यतः मुझे चं० वि०
गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दूसरे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० एन-133 का 1/2 भाग है, जो ग्रेटर
कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 4-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विभास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रार्थत:—

1. श्री राजिन्द्र पाल चौपड़ा, सुपुत्र श्री बाल मुकन्द चौपड़ा,
निवासी 41, सेक्टर-27-ए, चंडीगढ़ (पंजाब)

(अन्तरक)

2. श्री वीरेन्द्र कुमार ऊंगरा, सुपुत्र श्री भगवान वास ऊंगरा,
निवासी एफ-3/15, कृष्ण नगर, दिल्ली-57

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 3.0 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एन-133 का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 154 वर्ग
गज है, और जोकि ग्रेटर कैलाश कालीनी, नई दिल्ली जामारुबपुर गांव
दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० एन-135

पश्चिम : प्लाट नं० एन-131

उत्तर : रोड,

दक्षिण : सर्विस लेन

च० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 16 फरवरी, 1976
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ़दली रोड़, नई दिल्ली

नई विल्ली, इनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
अन्तर्भूत, 21/75-76—यतः मुझे च० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० खसरा नं० 7/16 तथा 6/20 है, जो जोनापुर गांव तहसील महरौली, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-10-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः आब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रेनुका सिन्हा, पत्नी श्री सत्या देवा प्रकाश सिन्हा, निवासी एडवर्ड हाजस, अराह (बिहार) (अन्तरक)

2. शत्रुघ्न प्रशाद सिन्हा सुपुत्र श्री भुवनेश्वर, प्रशाद सिन्हा निवासी 'रामायण' 9 बां मंजिल, जूह, विले पारले स्कीम, बन्धव-56 (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कामयादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कृषि भूमि का प्लाट जिसका नं० खसरा नं० 7/16, तथा 6/20 है, क्षेत्रफल 9 बीघा तथा 154 बिसवा, है, तथा जोकि जोनापुर गांव, तहसील महरौली, दिल्ली में स्थित है।

च० वि० गुप्ते,
सकाम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली नई विल्ली-1

तारीख: 13 फरवरी, 1976
मोहर :

प्रलेप प्राईडी० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1976

निवेश सं० ए० एस०आर/270/75-76—यतः मुझ, वी०
आर०सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 12 है, जो शिवाला भाईयां रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ा अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पश्चात प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यातः—

1. श्री बलजीत सिंह सुपुत्र कुलबीर सिंह कोठी नं० 21, अमृतसर कैन्ट तथा श्रीमती सुनीत कौर, सुपुत्री स्व० मेजर वीर सिंह वासी सी०-399, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली द्वारा डा० रणवीर सिंह सुपुत्र स्व० डा० सोहन सिंह, कोठी नं० 21, अमृतसर कैन्ट।

(अन्तरक)

2. मैसर्स केराहोम शिवाला रोड, अमृतसर द्वारा कंवर बलकार सिंह सुपुत्र खड़क सिंह अकेला मालिक।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायदार, यदि हो।
(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हृचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-वा में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 12 शिवाला भाईयां रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेक्षण नं० 1287 जुलाई, 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11 मार्च 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च 1976

निवेश सं० फा०/271/75-76—यह: मुझे, बी० आर० सगर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और
जिसकी सं० भूमि का प्लाट है, तथा जो नजदीक मोहल्ला प्रेमनगर,
फगवाड़ा में स्थित है (प्रीर इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अतर सिंह सुपुत्र अमर सिंह जार वासीं फगवाड़ा
मुख्तारेन्नाम श्री हजारा सुपुत्र श्री जयमल जाट, खेड़ा रोड,
फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री महाबीरप्रशाद, सुपुत्र मूल चन्द्र सुपुत्र कौरजी मल
अग्रवाल अनाज मार्किट, फगवाड़ा।

श्रीमती प्रसिद्धी देवी पत्नी लखमी चन्द्र सुपुत्र कौरजी मल
फगवाड़ा।

मदनलाल सुपुत्र कौरजी मल सुपुत्र रामगोपाल अग्रवाल
फगवाड़ा।

श्री राम प्रताप सुपुत्र मूल चन्द्र सुपुत्र कौरजी मल
अनाज मार्किट, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है, तथा किराएदार, यदि हो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट मोहल्ला प्रेम नगर, खेड़ा रोड, फगवाड़ा, जैसा
कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 963, 964, 965, व 966 जुलाई,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

बी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 11 मार्च, 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुध (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 11 मार्च, 1976

निदेश सं० ए० एस०आर०/272/75-76—यतः मुझे वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो गांव गिलबाली तरनकारन रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर तहसील में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का फदह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरदार सिंह, भिड्डर सुपुत्र लछमन सिंह सुपुत्र खुशहाल सिंह 92-एच, वी० माल, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री नरिन्द्र सिंह, सुपुत्र सोहन सिंह अरोड़ा केरों मार्कीट, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार, यदि वह है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में उचित रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानकारी है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट गांव गिलबाली, तरनकारन रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4361, जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के तहसील अमृतसर में है।

वी० आर० सगर
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 11 मार्च, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मार्च, 1976

निर्देश सं०/ए० एस०आर०/273/75-76—यतः [मुझे वी०

आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो गांव गिलबाली,
तरंतारन रोड, अमृतसर में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर (तहसील) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1975, को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए स्पष्ट पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे अच्छने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सरदार सिंह भिडर सुपुत्र लक्ष्मन सिंह सुपुत्र खुशहाल सिंह,
92-एच, वी माल, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री राजिन्द्र सिंह सुपुत्र सोहन सिंह अरोड़ा,
कैरों मार्किट, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है, तथा किराएवार, यदि हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिकारीग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी

भूमि का प्लाट गांव गिलबाली, तरंतारन रोड, अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4362, जुलाई, 1975 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर तहसील में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11-3-1976

मोहर:

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, बिनांक 11 मार्च 1976

निवेद सं० ए० एस०आर०/274/75-76—यतः, मुझे, वी०

आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
जचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है, तथा जो गांव गिलबाली,
तरनतारन रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अमृतसर तहसील में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथतः—

4—6GI/76

1. श्री सरदार सिंह भिडर सुपुत्र लाठमन सिंह सुपुत्र खुशहाल सिंह,
92-एच, दी माल, अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्री कुलदीप सिंह सुपुत्र सन्त सिंह अरोड़ा,
फैरों मार्केट, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैहा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इच्छा रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंद्रों का, जो
उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट गांव गिलबाली, तरनतारन रोड, अमृतसर जैसा
कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4360, जुलाई, 1975 की रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, अमृतसर तहसील में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 291/75-76—यतः, मुझे, के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 4-1-938/आर-20 है जो तिलक रोड, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राजकुमार 3-2-350, चप्पल बाजार, हैदराबाद
(अन्तरक)
2. श्रीमती जाना बाई पल्ली सत्यनारायण
विश्वनाथम सुपुत्र वीरय्या
14-9-121, चुड़ी बाजार, हैदराबाद। (अन्तरिती)
3. मैसर्स हैदराबाद हैंडी क्राफ्ट्स, एम्पोरियम, हैदराबाद।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिकारीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टात्मकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिले की भाग दुकान नं० 4-1-938/आर-20, तिलक
रोड, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-3-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 292/75-76—यतः, मुझे, के०
एस० वेंकटरामन,
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 4-1-938/आर-13 है जो तिलक रोड, हैदराबाद
में स्थित और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-7-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पुष्पलता बाई, पत्नी शिवचरन,
21-2-547, चारकमान, हैदराबाद।
(अन्तरक)

2. श्री आर० सी० कपाडिया,
कमल टोथ एम्पोरियम, आबीद रोड, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां मुरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तल मंजिले का भाग नं० 4-1-938/आर-13, तिलक रोड,
हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-3-1976

मोहर :

प्र० श्रीमती गोभा बाई पत्नी गिरिराज चरन,

21-2-547, चारकमन, हैदराबाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 294/75-76—यतः, मुझे, के० एस०
बैंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 4-1-938/आर-11 है, जो तिलक रोड,
हैदराबाद में स्थित है (ओर इससे उपांचढ़ अनुसूची में
और पूर्ण लिपि से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
21-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सभ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विभिन्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाष्ठत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम';
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती गोभा बाई पत्नी गिरिराज चरन,

21-2-547, चारकमन, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरला ईश्वरलाल गगलानी, जीरा,
सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए, कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तल मंजिले का भाग नं० 4-1-938/आर-11 और आर-9,
तिलक रोड, हैदराबाद।

के० एस० बैंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-3-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 296/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० 4-1-938/आर-15 है, जो तिलक रोड, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
बूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बूश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री कौलाश चरन, 21-2-47, चारकमान, हैदराबाद।
(अन्तरक)
2. (1) मुरारी लाल नवाजा
(2) रमेश कुमार नवाजा
(3) सुब्राह्मण्य कुमार नवाजा
पालक एम० नवाजा, बारा
21-2-417/1, शकर कोटा, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी के
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्वल्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तल मंजिले का भाग बुकान नं० 4-1-938/आर-15, तिलक रोड,
हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-3-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च, 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 297/75-76:—

यतः, मुझे को० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4-1-938/आर 14 तिलक रोड, है, हैदराबाद में स्थित है (इससे उपाख्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पछल प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती रुक्मिनी वाई

21-2-547, चार कमान, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री राधेश्याम,

21-2-496, मिट्टी का घेर, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आश्रेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध घाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

इष्टव्यक्तिगत :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

को० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-3-1976

मोहर :

प्र० रूप श्राई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मार्च 1976

सं० आर० ए० सी० 298/75-76—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-277 तथा 278, राम बाग है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अत्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवस्तु 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

मरतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री हरिकिंगन, राजस्थान भवन, दारूशफा,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती द्रोपदी देवी पत्नी पूरन मल अगरवाल,
14-2-332/1, श्याम बाग कालीनी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयीय शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 5-8-277 तथा 278, राम बाग, हैदराबाद, क्षेत्रफल
447 वर्ग गज, खुली जमीन।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-3-1976

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1976

सं० आर० ए० सी० 299/75-76—यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2/782 से 784 माधव नगर मौजा है, जो निशामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निशामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष सम्बन्ध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जी० रामचन्द्र राव, माधवनगर, मोजा,
निशामाबाद जिला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ए० सत्यबती पत्नी ए० माधव राव,
माधव राव नगर पोस्ट, निशामाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-फ में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 2/782 से 784, माधवनगर पोस्ट, निशामाबाद जिला।

के० एस० वेंकटरामन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-3-1976

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी०-३००/७५-७६—यतः मुझे के०
एस० वेक्टरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 235, अमीरपेट है, जो खैरनाबाद में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय खैरनाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19-7-1975 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में घास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थं प्रस्तारिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
५-6GI/76

1. (1) यास्मीन अहमद
(2) मोहम्मद खलीलुल्ला
(3) मो० हरमतुल्ला,
(4) शकीना बेगम,

7-1-616, अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स॒ सन रायज को-अपरेटिव सोसायटी, लिमिटेड,
आनन्द नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 1037 बर्ग गज और सर्वे नं०
235 का भाग जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है ।

वह भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ ।

के० एस० वेक्टरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 10-3-76

मोहर:

प्रलूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च 1976

निवेश सं० आर० ए० सी० 301/75-76—यतः मुझे, के०
एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14 तथा 235, अमीर पेट है जो खैरनाबाद में स्थित है (शौर इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरनाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री मोहम्मद खलीलुल्लाह,
- (2) श्री मोहम्मद हरमतुल्ला
- (3) श्रीमती सकीना वे गम

नं० 7-1-616, अमीरपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सन रायज को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
6-3-612/4, आनन्द नगर, हैदराबाद श्री के० आर०
के० प्रसाद उपाध्यक्ष हारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उपर सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्साद्वारा किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 1016 बर्ग गज और संब० नं० 14 तथा 235 का भाग, जो अमीर पेट, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 10-3-76

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च, 1976

सं० आर० ए० सी० 302/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 243 तथा 247 है जो अमीरपेट खैरनाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय खैरनाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्यों नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अच्छे में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपावड़ (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्ता :—

1. (1) श्री मोहम्मद खलीलुल्ला

(2) श्री मोहम्मद हरमतुल्ला

(3) श्रीमती सकीना बेगम

नं० 7-1-616, अमीरपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सन रायज को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
6-3-612/4, आनन्द नगर, हैदराबाद, श्री के० आर० के०
प्रसाद उपाध्यक्ष द्वारा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथां-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 48860 बर्ग गज और संख्या नं० 243 तथा 247 का भाग जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेकट रामन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-3-76

मोहर :

प्ररूप ग्राही० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च, 1976

सं० आर० ए० सी० 303/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 247, अमीरपेट है, जो खैरनाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरनाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री मोहम्मद खलीलुल्ला

(2) श्री मोहम्मद हरमतुल्ला

(3) श्रीमती सकीना बेगम

नं० 7-1-616, अमीरपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सन रायज को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड 6-3-612/4, आनन्द नगर हैदराबाद, श्री के० आर० के० प्रसाद उपाध्यक्ष द्वारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सदू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-के परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 4879 वर्ग गज और सर्वे नं० 247 का भाग जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 10-3-76

मोहर:

प्रस्तुत आई०टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च 1976

सं० आर० ए० सी० 304/75-76—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 16 तथा 66, अमीरपेट है, जो खैरनाबाद में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय खैरनाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
19-7-75 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, यैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्

1. (1) श्रीमती बानू बेगम
(2) श्री मोहम्मद खलीलुल्ला
(3) श्री मोहम्मद हरमतुल्ला
(4) श्रीमती सकीना बेगम
नं० 7-1-616, अमीरपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सन् रायज को-अपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
6-3-612/4, आनन्द नगर, हैदराबाद, श्री के० आर० के०
प्रसाद, उपाध्यक्ष द्वारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
4.5 दिन की अवधि या तुगम्बन्धी व्यक्तियों पर,
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभासित हैं, वही ग्रथ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 1003 वर्ग गज और सर्वोनं० 16
तथा 66 का आग जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-3-76

मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च, 1976

निवेश सं० 305/75-76—यतः मुझे के० एस० बैंकट रामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 11, 13, 14, 235, 236, 243 तथा 247 है
जो अमीरमेट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खेतनाबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 20-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :—

1. (1) श्री मोहम्मद खलीलुल्ला
(2) श्री मोहम्मद हरमतुल्ला
(3) श्रीमती सकीना बेगम

न० 7-1-616, अमीर पेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैं नर्स सन यश जो-प्रावरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
6-3-612/4, आनन्द नगर, हैदराबाद, श्री के० आर०
के० प्रसाद, उपाध्यक्ष द्वारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल— वर्ग गज और सर्वोन्मेश—
का भाग जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० बैंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 10-3-76

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च, 1976

सं० आर० ए० सी० 306/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसपा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 141 से 143, शेखपेठ मौजा है, जो खैरनाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरनाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति वा। उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बच या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, वै, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अमातुल रहोम पत्ती नवाब बाहीब, मुनवर खान, मुनीर वाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. डि आयडीएल कॉ-प्रोप्रेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 3-5-804/2/बी०, हैदरगुडा, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधीक्षित अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़, 15 गुण्टे और—वर्ग गज या—वर्ग मीटर जिसका ब्लाक नं० ए, जो सर्वेनं० 141, 142, 143 का एक भाग है और शेखपेठ मौजा, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 10-3-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च, 1976

निवेश सं० आर० ए० सी० 307/75-76—यतः मुझे
के० एस० वेंकट रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 141 से 143 शेखपेठ है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीरहस्ये उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरनाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-75 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे घब्बने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः :—

1. श्रीमती अमातुल रहीम पत्नी नवाब बाहीब मुनवर खान, सुनीर बाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. दी प्रायडीएल को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 3-5-804/2/बी, हैदरगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हप्टटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 17 गुण्डे और 107 वर्ग गज या—वर्गमीटरजिसका ध्लाकनं० बी, जो सर्वे नं० 141, 142, 143 का एक भाग है और शेखपेठभौजा, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकट रामन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-3-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद
 हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च 1976

निवेश सं० आर० ए० सी० 308/75-76—यतः मुझे
 के० एस० बैकट रामन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
 और जिसकी सं० 141 से 143 शेखपेठ है, जो हैदराबाद में स्थित
 है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खंडनाबाद में भारतीय
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
 15-7-1975
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
 अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
 बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
 प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
 (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
 अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
 नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
 मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—6 GI/76

1. श्रीमती अमातुल रहीम पत्नी नवाब वाहीब मुनबर खान,
 मुनीर बाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. द्वी आयडीएल को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
 3-5-804/2/द्वी हैदरगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकें।

इष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो
 उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
 परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
 अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 18 गुंटे और 86 वर्ग गज
 या 9913.52 वर्ग मीटर जिसका ब्लाक नं० ३१ जो सर्वे नं० 141,
 142, 143 का एक भाग है और शेख पेठ मौजा, हैदराबाद में
 स्थित है।

के० एस० बैकट रामन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

10-3-1976

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च 1976

निदेश सं० आर० ए० सी०-३०९/७५-७६—यतः मुझे
के० एस० वैकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 141 से 143 शेखपेट है, जो हैदराबाद में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
15-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तथ पाठा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में दायरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायरिक में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अमातुल रहीम पत्नी नवाब वाहीब मुनबर खान,
मुनीर वाग, हैदरगांव।

(अन्तरक)

2. दी आयडीएल को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
3. 3-5/804/2-बी, हैदरगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्याद्वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

वह भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 18 गुण्टे, और 86 वर्ग गज
या 9913.52 वर्ग मीटर जिसका ब्लाकनं० सी जो सर्वेनं० 141,
142, 143 का एक भाग है और शेखपेट मौजा, हैदराबाद में स्थित
है।

के० ए० वैकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 10-3-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च 1976

निर्वेश सं० आर० ए० सी० 310/75-76—यतः मुझे के०
एस० बैंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० 141 से 143 शेखपेठ है जो हैदराबाद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चाह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती श्रमातुल रहीम पत्नी नवाब बाहीब मुनबर खान,
मुनीर बाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. दी श्रायडीएल को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
3-5-804/2-बी, हैदरगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 13 गुण्डे और—वर्ग गज या
—वर्ग मीटर जिसका छालक नं० जी जो सर्वे नं० 141, 142,
143 का एक भाग है और शेखपेट मौजा, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० बैंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-3-76

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 311/75-76—यतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 141 से 143 शेखपेठ है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्थात् :—

1. श्रीमती अमातुल रहीम पत्नी नवाब वाहीब मुनबर खान,
मुनीर बाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. दी आयडीएल को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
3-5.804/2/B, हैदरगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसनंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 17 गुण्टे और 111 वर्ग गज या 9833.84 वर्ग मीटर जिसका ब्लाक नं० एफ है जो सर्वे नं० 141, 142, 143 का एक भाग है, और शेख पेठ मौजा, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-3-1976

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च 1976

निदेश सं० आर०ए०सी०-312/75-76—यतः गुजरात के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 141 से 143 शेखपेठ है, जो हैदराबाद में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-7-1975 को

सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अनुसरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अमातुल रहीम पत्नी नवाब वाहीब मुनवर खान, मुनीर बाग हैदराबाद
(प्रत्तरक)

(2) दी आयडीयल कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
लिमिटेड, 3-5804/2/बी०, हैदरगढ़, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 5 गुटे—वर्ग गज—या वर्ग मीटर है जिसका ब्लाक नं० ई जो सबै नं० 141, 142, 143 का एक भाग है और शेखपेठ हैदराबाद में स्थित है, ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-3-1976

मोहर :

प्रूल्प आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च 1976

निदेश सं० आर०ए० सी० 313/75-76—यतः, मुझे,
के० एस० बैंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 141 से 143 शेखपेठ है, जो हैदराबाद
में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
15-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब
की उच-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती अमातुल रहीम परनी, नवाब बाहीब
मुनबर खान, मुनीर बाग, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) दी आईडीएल कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी
लिमिटेड, 3-5:804/2, हैदरगुडा, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-
बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भवोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

वह भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 9 गुणे और—
वर्ग गज या — वर्ग मीटर जिसका ढाक नं० 4
जो सर्वे नं० 141, 142, 143 का एक भाग है और
शेखपेठ मोजा हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० बैंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 10-3-1976

मोहर:

प्र० रुपा आई०टी०एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 10 मार्च 1986

निवेश सं० 314/75-76--यतः मुझे, को० एस० वेक्टर
रामन

आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और जिसकी सं० 141 से 143 है, जो शेखपेठ, हैदराबाद में में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-7-1975

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचनेमें सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिस्ते सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक्षर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अमातुल राधीम पत्नी नवाब वाहीब गुनवर मुनवर खान, मनीर बाग, हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) दी. आई.ए.एल कोआपरेटिव हार्डिंग सोसायटी लिमिटेड, 3-5-804/2/वी०, हैदरगढ़ा, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 14 गूँटे और घर्ग गज या 9533 वर्ग मीटर जिसका ढाक न० I जो संवं न० 141, 142, 143 का एक भाग है और शेखपेठ मौजा हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेक्टरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 10-3-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च^१, 1976

निदेश सं० आर०ए०सी०-315/75-76—यतः मुझे, कै०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 17-1-199 है, जो सईदाबाद कालोनी,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आजमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 15-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती ईरमा पत्नी ए० रमना 15-9419,
महबूब गंज, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) डॉक्टर जी० माधव रेडी पुत्र जी० पापी रैडी
और अन्य, नागर करनूल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि और टिन घर 17-1-199 (2360 वर्ग गज) अंतरिती द्वारा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्रस्तु आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1976

निदेश सं०आर०ए०सी० 316/75-76—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपर्युक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०प्लाट नं० 6 है जो श्रीराम नगर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्री इरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अल्परण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की वापत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

प्रत : अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-6 GI/76

(1) डा० एम० सुब्बाराव नं० 13, मेडिकल स्टाफ क्वार्टर्स, विसाखापटनम् (अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मीनरसमा (2) आर० एस० मुधाकर, अनुराधा, 7/8 श्रीरामनगर, मासबट्यांक हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 6, फ्लाक नं० III, सरकल नं० 4, क्षेत्रफल 1130 वर्ग गज, श्रीरामनगर, मासब ट्यांक, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 12-2-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1976

निवेश सं० आर०ए०सी०-317/75-76—यतः मझे, के०
एस० वैकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह,
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 2/31 से 2/34 है जो, मदनपुर महबूबनगर
जिला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
वनपर्ती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 15-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
संय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः; यब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) श्री के० विश्वनाथम, (2) श्री के० पाण्डुगंगम्,
(3) श्री के० श्रीरामलू, पुत्र स्वर्गीय के० चिन्ना बालस्वामी,
वनपर्ती रोड, मदनपुर्ली।

(4) श्री आर० चेन्नय्या, (5) श्री सूर्य प्रकाश, (6)
श्री विजय कुमार, पुत्र स्वर्गीय, आय चिन्ना किस्टिय्या, 4-1-
306/4, तुरुपबाजार, हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) (1) श्री भीमा कृष्णय्या (2) श्री भीमा
पाण्डु रंगय्या, मदनपुर, वनपर्ती तालूक महबूबनगर जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चावल और तेल की मिलें (नं० 2/31 से 2/34)
मदनपुर मोजा, वनपर्ती, तालूका महबूबनगर जिला में स्थित है।

के० एस० वैकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1976
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 12 मार्च 1976

निदेश सं० आर० ए०सी०-३१८/७५-७६—यतः मुझे
के० एस० बैंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी का
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 4-2-1/2 है जो पेड़पल्ली करीमनगर जिला
में स्थित है (और इससे उपावश्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेड़पल्ली
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 15-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती आर० लक्ष्मीवाई पत्नी सत्यनारायण
सूर्य पेठ, नलगुडा जिला (अन्तरक)
- (2) कुमारी बेमुला विजया लक्ष्मी पुन्नी रमण्या
अवधिक, पिता पालक रमण्या द्वारा, पेड़पल्ली
हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-2-1/2(नहीं) पेड़पल्ली, करीमनगर जिला।

के० एस० बैंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1976

निवेश सं० आर०ए०सी० 319/75-65—यतः मुझे, के० एस० बैंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-621/261 ग्राउण्ड फ्लोर जो सजीवा-रेडी नगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कायलिय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अमतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अमतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रादि नारायण रेडी, एम०एल० सी, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) एल०एस०एस०मणि, 7-1-621/261 संजीवा रेडी नगर, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषिताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राउण्ड फ्लोर नं० 7-1-621/761, संजीवा रेडी नगर, हैदराबाद।

के० एस० बैंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-3-76

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—————

(1) श्री वाय आदि नारायण रेड्डी, एम० एल०सी० हैदराबाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नामा पीटर, 7-1-621/261 संजीवारेड्डी
नगर, हैदराबाद ।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद ।

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1976

निवेश सं० आर०ए०सी०-320/75-76—यतः मुझे, के०
एस० बैकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-621/261 है जो संजीवारेड्डी नगर,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), 2जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जुलाई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

पहला मंजिला नं० 7-1-621/261, संजीवा रेड्डी नगर
हैदराबाद ।

के० एस० बैकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 12 मार्च 1976

निदेश सं० आर०ए०सी० 321/75-76—यतः मुझे, के०
एस० वेंटरामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन संबंधी प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० खुली भूमि सं० नं० 35, सोमानीगूडा,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 18-7-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी व्यक्ति या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित अवित्तियों, अधितुः:—

(1) पी० एन० नरसिंगाराव, (2) श्रीमती आर०
बुव्यमा ओरकाडु मोजा मद्रास। मुख्तयार नामदार
श्री लक्ष्मी नरसिंहाराव द्वारा
(अन्तरक)

(1) श्री एन० वी० नरसम्मा, (2) श्रीमती एम० कमला
6-3-354/12, हिन्दीनगर कालोनी, पंजाबुद्दा,
हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति प्राक्षेप यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि (क्षेत्रफल 800 वर्ग गज) संबंधी नं० 35,
सोमाजी गूडा में (पुराना घर नं० एफ-2-661) हैदराबाद
में स्थित है।

के०एस० वेंटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 12 मार्च, 1976

निदश सं० आर०ए०सी० 322/75-76—यतः ममे,
के० एस० वेंकटरामन

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 6-3-85/2-3 है जो अमीर पेट हैदराबाद में
स्थित है (श्री इसके उपावद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 27-28-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि विश्वास पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम',
या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपलब्धा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति :—

(1) श्री ए० एस० गन्गति अध्यर, 6-3-852/2
अमीर पेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० बी० सुब्रा रड्डी, 5/3 आर० टी०
एम० आर०जी० एच० बोर्ड पंजा टूडा, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में फिर जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

चर नं० 6-3-85/2-3 कम्पाउण्ड के अन्दर का सर्व[ा]
भूमि का भाग, अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 12 मार्च 1976

निवेश सं० आरा०ए०सी० 323/75-76—यतः मुझे, के०
एस० बैंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपर अधिनियम' कहा गया है),
की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 22-8-587/1 है जो अश्वाभाजार में
स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 5-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री संयोग अहमद पुत्र स्व० श्री दुल्ली साहेब
चश्माबाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश कुमार पुत्र महावीर प्रणाद 22-8-
58611, चश्माबाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तात्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चर नं० 22-8-586/1, चश्माबाजार, हैदराबाद।

के० एस० बैंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

तारीख : 2-3-1976
मोहर:

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वी
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 12 मार्च, 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० 324/75-76—यतः मुझे, के
एस० बैकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, वह विश्वास करने का कारण है कि पथरू सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 22-8-587/1 है जो अन्ताबाजार में स्थित
है (और इससे उत्तरवाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
5-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में मुविधा के लिए: और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था, या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति:—
8—6 GI/76

(1) श्री संयद अहमद पुत्र स्वर्गीय सर्पद अब्दुला

22-8-588 चत्ताबाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री महादेव परशाद पुत्र रामानन्द 15-1-564,
सिद्धम्बर बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या सत्त्वसम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 22-8 587, अन्ताबाजार, हैदराबाद।

के० एस० बैकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1976

निदेश सं० आर०ए०सी०-३२५/७५-७६—यतः मुझे, के०
एस० बैंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है
और जिसकी सं० 22-8-587/2 से 587/4 है जो
चताबाजार में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 5-7-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, प्रथतः:—

(1) श्री सैयद अहमद पुत्र स्व० सैयद अब्दुल्ल
22-8-588, चताबाजार, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री सावन्त राम पुत्र स्व० प्रभु दयाल सिद्धिमवर
बाजार, हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अस्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

घर नं० 22-8-587/2 से 587/4 चताबाजार,
हैदराबाद।

के० एस० बैंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीखः 12-3-1976
मोहरः

प्रलेप आई० टी० एम० एस०——

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 मार्च 1976

निदेश सं० आर०ए०सी०-326/75-76—यतः मुझे के०
एस० वेकट रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 22-8-587/1 है जो चत्ताबाजार में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर्पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय,
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
5-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्राप्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सव्यस अहमद पुत्र सव्यस, अब्दुल्ला 22-8-588,
चत्ता बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री रवीन्द्र कुमार पुत्र विनोदी लाल अवयक
सिद्मिर बाजार, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्तरबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 22-8-587/1 चत्ताबाजार, हैदराबाद।

के० एस० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च, 1976

निवेश सं० आर०ए०सी० 327/75-76—यतः मुझे
एस० वेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22-8-587/6 से 9, है जो चत्ताबाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-7-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसमें दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सत्यद अहमद पुत्र स्वर्गीय सत्यद अब्दुल्ला
22-8-588, चत्ताबाजार, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री महेश चन्द्र पुत्र स्व० प्रभुदयाल सिद्धम्बर
बाजार, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यन्य व्यक्ति द्वारा, अघोरहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त प्रधिनियम' के अध्याय 20-क में यथाविभागित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 22-8-587/6 से 9, चत्ताबाजार, हैदराबाद।

के० एस० वेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 12-3-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1976

निवेश सं० आर०ए०सी० 329/75-76—यतः मुझे
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 40/790-11 कर्नूल पेटा है जो कर्नूल में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कर्नूल
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 15-7-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्टिमान प्रतिफल के लिए अन्तर्दित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण
में मे, 'उक्त अधिनियम' की पारा 269-व की उधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री के० वेंकट स्वामी पुत्र वेंकट सेशम्या कर्नूल
पेटा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० लक्ष्मी रेडी पत्नी आबूल रेडी यल्लाल
मौजा कर्नूल जिला।

(अन्तरिती)

3. केन्द्रीय उत्पादक अधीक्षक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 40/790-11 (उत्तरीय भाग) कर्नूल पेटा,
कर्नूल।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 12-3-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 मार्च 1976

निदेश सं० आरा० ए० सी० 330/75-76—यतः मुझे, के०
एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- ₹ से अधिक है और जिसकी स० खुली जमीन है, जो रेडहिल्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
25-87-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिथों को; जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सी० एम० शास्त्री, 3-5-824, बशीर बाग,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) डॉक्टर शमीम सुल्ताना पत्नी एम० अहमद (2) मुस्तफा
अहमद पुत्र अब्दुल रहमान अहमद 5-7-300 आगापूरा
हैदराबाद (3) श्रीमती अयेशा बेगम पत्नी सय्यद मुसुफु-
दीन (4) श्रीमती रक्षीया सुल्ताना पत्नी सय्यद झिया-
उद्दीन (5) सय्यद सईफुदीन अक्षर पुत्र सय्यद
बुसुफुदीन 11-3-975 मल्लेपेस्सी, हैदराबाद
(6) ए० के० मोयनुदीन पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद
हयात 14-1-214, सीताराम पेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियों की द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि जिसका क्षेत्रफल 2100 वर्गज, जो वार्ड
नं० 5, रेड हिल्स, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख : 12-3-1976

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 2nd March 1976

No. A.12019/6/74-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission notification of even number, dated the 4th September, 1975, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri B. S. Jain, a permanent Selection Grade Officer of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission and officiating as Section Officer on deputation from the CSSS cadre in the Commission's office to officiate, on an *ad hoc* basis as Special Assistant to Chairman for a further period of six months with effect from 1st March, 1976 or until further orders whichever is earlier.

Shri B. S. Jain will be on deputation to an ex-cadre post of Special Assistant to the Chairman Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III/60, dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 5th March 1976

No. A.32014/1/76-Admn.III(1).—In continuation of this Office notification No. A.32014/1/75-Admn.III, dated 12-1-76, the President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-3-76 to 15-4-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(2).—In continuation of this office notification No. A.32014/1/75-Admn.III, dated 12th Jan, 1976 the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sharma, a perm. Asstt. of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-3-76 to 15-4-76 or until further orders whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 15th December 1975

(APPOINTMENTS)

No. A-11/35/75.—Shri B. B. Sarkar Appraiser of Collectorate of Customs, Bombay is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in the Calcutta Zonal Office of this Directorate, with effect from 21-11-75 (FN) and until further orders.

S. B. JAIN, Dir.

New Delhi, the 20th November 1975

No. A-11/32/75.—Shri Guru Saday Das Inspector (SG) of Central Excise, Divisional, Jorhat is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Gauhati Zonal Office of this Directorate w.e.f. 10-11-75 (FN) and until further orders.

The 22nd December 1975

No. A-11/38/75.—Shri S. Krishnamachari, Inspector of Central Excise presently working as Assistant Enforcement Officer on deputation at Madras Zonal Office is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Calicut sub-zonal office of this Directorate, with effect from 12-12-75 (AN) and until further orders.

The 19th January 1976

No. A-11/37/75.—Shri M. N. Srinivasan is appointed to officiate as Enforcement Officer on deputation in the Madras

rai sub-zonal office of this Directorate, with effect from 1-1-76 (FN) and until further orders.

NRJPEN BAKSI, Dy. Dir. (Admn.).

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 6th March 1976

PF. No. T-8/72-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police Special Police Establishment hereby appoints Shri T. R. Sriramulu, a deputationist Deputy Superintendent of Police of Tamil Nadu State Police as Deputy Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on deputation with effect from the forenoon of 21-2-76 until further orders.

The 8th March 1976

No. A-19036/3/76-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri V. N. Sreenivasa Rao, a deputationist Deputy Superintendent of Police of Tamil Nadu State Police as Deputy Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 20-2-76 until further orders.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer (E) C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE)

New Delhi-110001, the 3rd March 1976

No. O.II-1043/76-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Lt. Col. R. L. Sircar, as Chief Medical Officer in the CRP Force on ad hoc basis initially for a period of one year w.e.f. 16-2-1976 (FN).

2. He is posted to Base Hospital, CRP Force, Jharoda Kalan, New Delhi.

The 6th March 1976

No. O.II-1042/76-Estt.—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Nibaran Mohanty as Junior Medical Officer in the CRP Force on an ad hoc basis for a period of 3 months only with effect from the afternoon of 21st February, 1976.

2. Dr. Nibaran Mohanty, is posted to 23rd Bn. CRP Force.

A. K. BANDYOPADHYAY, Asstt. Dir. (Adm.).

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ORISSA

Bhubaneswar-751001, the 6th March 1976

No. O.O.C.-1517.—The Accountant General, Orissa, has been pleased to grant proforma promotion (officiating) to Shri P. K. Dutta, a permanent Section officer of this office to the cadre of Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 24-12-75 FN until further orders.

V. S. BHARDWAJ,
Sr. Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, SOUTHERN RAILWAY

Madras-600003, the 4th March 1976

No. A/PC/RK/2621.—Shri R. Krishnamurthy, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service in the Office of the Chief Auditor/Southern Railway, is promoted to officiate as Audit Officer with effect from 5-2-76 (Forenoon) until further orders.

Promotion made in this case is purely on ad hoc basis and shall be subject to the final orders of the Supreme Court.

K. P. JOSEPH, Chief Auditor
Southern Railway, Madras.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS
New Delhi, the 28th February 1976

No. 40011(2)/75-AN-A.—(1) The undermentioned Accounts Officers were/will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

S. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
Sarvashri				
1.	G. Narasimhan (P/257)	Permanent Accounts Officer	30-4-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks)—South, Madras.
2.	P. D. Behl (P/530)	Permanent Accounts Officer	31-5-76	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
3.	M. R. K. Sastry (O/25)	Permanent Accounts Officer	30-4-76	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
4.	S. K. Roy (O/39)	Permanent Accounts Officer	31-5-76	Controller of Defence Accounts, Patna (On deputation to NCC Directorate, Assam & Meghalaya).
5.	S. R. Tanwar (O/63)	Permanent Accounts Officer	30-4-76	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
6.	Kashmiri Lal Dhawan (N.Y.A.)	Officiating Accounts Officer	31-1-76	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.

Shri P. D. Behl, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave pending retirement for 120 days from 2-2-1976 to 31-5-1976.

(2) Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Rule 48 CCS (Pensions) Rules, 1972, Shri R. Bhashyam, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/525), serving on deputation with the N C C Directorate, Ahmedabad and borne on the proforma strength of the Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of 30th April 1976.

3. The following is added as para (2) to this department notification bearing No. 40011 (2)/75/AN-A dated 22-1-1976.

"Shri T. V. Narasimhan, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave for 52 days from 9-1-1976 to 29-2-1976 preparatory to retirement".

S. K. SUNDARAM,
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN).

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-69, the 4th March 1976

No. 1/76/M.—On attaining the age of superannuation (i.e. 58 years plus 1 year extension) Dr. D. P. Roy, Pmtt. Asstt. Surgeon Gr. I, RFI retired w.e.f. 30-9-75 (AN).

R. M. MUZUMDAR,
Dir. General, Ordnance Factories.

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES

Calcutta-16, the 10th October 1975

No. 40/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri V. Krishnamurthi, Offg. Manager (Subst. & Permt. Deputy Manager) retired from service with effect from 30th June, 1975/AN.

M. P. R. PILLAI,
Asstt. Dir. General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR
COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Jagjivan Nagar, the 1st March 1976

No. Admn.12(1)G/76.—Shri A. K. Ganguli, Officiating Superintendent of Accounts has been appointed as Secretary to the Medical Superintendent, Central Hospital, Kalla, Asansol on ad hoc basis with effect from 11-2-1976 (Forenoon).

R. P. SINHA,
Coal Mines Welfare Commissioner, Dhanbad.

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS
IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 28th February 1976

No. 6/428/56-Admn(G)/1569.—The President is pleased to appoint Shri D. K. Khosla, Controller Class-I in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay to officiate as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the same office with effect from 29th October, 1975, until further orders.

The 3rd March 1976

The 6th March 1976

No. 6/432/56-Admn(G)/1573.—The President is pleased to appoint Shri U. S. Rawat, Controller Class-I in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, to officiate as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in that office with effect from 29th October 1975 forenoon, until further orders.

No. 6/872/69-Admn(G)/1636.—On attaining the age of superannuation Shri S. K. Dey (Deb Roy) relinquished charge of the post of Dy. Assistant Iron & Steel Controller in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports, Calcutta on the afternoon of the 31st January, 1976.

P. K. KAUL,
Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 5th March 1976

No. CER/6/76.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/6/76, dated the 3rd January, 1976 namely :—

In the Table appended to the said Notification :—

1. Against Serial number 16 in column 2 after item (ii) the following shall be inserted, namely :—

"(iii) Director of Industries & Commerce
(iv) Additional Director of Industries & Commerce
(v) The Joint Director of Industries & Commerce (Handloom) } For Yarn only."

2. After Serial number 17 in column numbers 1, 2 and 3, the following entries shall be added, namely :—

S. No.	Designation of Officers	Name of the State		
1	2	3		
18	(i) The State Textile Commissioner (ii) The Joint Director of Supply (iii) The Deputy Director of Supply (iv) All Deputy Commissioners (v) All Sub-Divisional Officers (vi) The Registrar/Joint Registrar/Deputy Registrar of the Co-operative Societies			Meghalaya.
19.	(i) Director of Civil Supplies, Panaji (ii) Dy. Director of Civil Supplies (iii) Inspectors of Civil Supplies (iv) Sub-Inspector of Civil Supplies (v) Assistant Inspector of Civil Supplies (vi) Civil Administrator, Diu (vii) Block Development Officer, Daman			Union Territory of Goa, Daman and Diu.
20.	(i) The Director of Food and Civil Supplies in Karnataka, Bangalore (ii) All the Deputy Commissioners of the Districts except Bangalore (iii) Deputy Commissioner, Bangalore District, Bangalore (iv) Assistant Director of Food and Civil Supplies (Civil Supplies wing) Bangalore	The whole of the State of Karnataka. Within the revenue limits of their respective Districts. Within the Revenue Dist. of Bangalore excluding the Ban- galore City Corporation area. Within the limits of Bangalore City Corporation area.		Karnataka.
21.	(i) The Deputy Commissioner, Andamans District (ii) Supply Officer, Andaman & Nicobar Islands			Andaman and Nico- bar Islands.
22.	(i) Director, Food and Supplies (ii) Joint Director, Food and Supplies			Punjab.
23.	(i) Director of Textiles (ii) Joint Director of Textiles (iii) Deputy Director of Textiles (iv) Collector of the District (v) Sub-Divisional Officer (vi) Assistant Director of Textiles	Throughout the State. In the respective District. In the respective Sub-Division In their respective Jurisdiction.		Orissa.
24.	(i) Director of Food and Supplies			Himachal Pradesh."

The 6th March 1976

No. 18 (I)/73-75/CLB. II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 11 of the Textile (Production by Powerlooms) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)/67-CLBII/B, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification against serial No. 12, the existing entries under columns 2, 3 and 4 shall be substituted by the following entries, namely :—

1	2	3	4
"12 (i) Director of Industries, Punjab	Punjab	6, 6C, 7A, 8 & 8A	
(ii) State Textile Officer, Punjab	Do.	Do.	
(iii) Joint Director of Industries, Punjab	Do.	Do.	
(iv) Assistant Director of Industries, Punjab	Do.	6 and 7A.	
(v) All District Industries Officers/Project Officer (Industries) in charge of Districts.	Within their respective jurisdiction in Punjab.	6 (Shifting only)"	

No. CLB I/J/6-G/75.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/J/6-G/71 dated the 13th January 1972, namely :—

In the Table appended to the said notification against Sl. No. 12 for the existing entries in columns 2, 3 and 4 the following shall be substituted namely :—

1	2	3	4
"12 (i) Director of Industries, Punjab	Punjab	12 (6), 12 (6A), 12 (7A), 12 (7AA), 12C, and 12E.	
(ii) State Textile Officer, Punjab	Do.	Do.	
(iii) Joint Director of Industries, Punjab	Do.	Do.	
(iv) Assistant Director of Industries, Punjab	Do.	12(6) and 12C.	
(v) Textile Officer, Marketing and Development, Punjab, Amritsar	Do.	12 (7A).	
(vi) All District Industries Officers/Project Officers (Industries) in charge of Districts.	In their respective districts.	12 (6) for shifting only. 12 (7A)."	

A. K. CHANDRA,
Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 4th March 1976

No. A.19018/230/75-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri J. R. Malhotra, permanent Superintendent, in the Branch Small Industries Service Institute, Agra, to officiate as Assistant Director (Gr. II) in the Small Industries Service Institute Srinagar, now functioning at Jammu, on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the forenoon of 28-1-1976.

No. A-19018/231/75-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri M. L. Sarin, a permanent U.D.C. and officiating Superintendent in Small Industries Service Institute Kanpur, as Assistant Director (Gr. II) (General Administrative Division) in the same Institute on *ad hoc* basis *vice* Shri S. B. Sen Gupta, granted leave from 1-1-76 to 28-2-76. Shri Sarin assumed charge as Assistant Director (Gr. II) on the forenoon of 1-1-1976.

V. VENKATRAYULU,
Deputy Director (Admn.)

(DEPARTMENT OF SUPPLY)
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 3rd March 1976

No. A-1/1(379).—The President is pleased to appoint Shri V. Nagaraja, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service) with effect from the forenoon of 16th February, 1976 and until further orders,

The appointment of Shri Nagaraja as Director (Grade I of Indian Supply Service) is subject to the result of the Writ Petition CW No. 1033 of 1976 (DB Case) as ordered by the Division Bench of Delhi High Court *vide* their Order No. CM 210 W/76 dated 5-2-76 in the stay petition in the case of Shri D. K. Shukla Versus Union of India forwarded *vide* their No. 2475-IICW dated 6-2-76.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration)

OFFICE OF THE CHIEF PAY & ACCOUNTS OFFICER

New Delhi, the 4th March 1976

O.O. No. Admn(CDN)/185.—On attaining the age of Superannuation, Shri R. C. Roy Chowdhury, Pay & Accounts Officer in the office of the Sr. Dy. Chief Pay & Accounts Officer, Supply, Food & Reh., Calcutta retired from service with effect from the afternoon of 31-1-1976.

D. P. JAIN,
Chief Pay & Accounts Officer

MINISTRY OF STEEL & MINES

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 6th March 1976

No. A-19012(72)/75-Estt.A.—In continuation of Notification No. A-19012(72)/75-Estt.A. dated the 20th September, 1975 Shri R. B. Deshmukh, Quasi Permanent Senior Technical Assistant (Geology) is promoted as Assistant Mining Geologist in this department on regular basis with effect from the forenoon of 6-1-1976 until further orders.

D. N. BHARGAVA,
Controller

Nagpur, the 6th March 1976

No. A.19011(97)/76-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Ghoshal, Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines as Senior Mining Geologist in an officiating capacity in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 19th February, 1976 until further orders.

A. K. RAGHAVACHARY
Sr. Administrative Officer
for Controller

**DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY
NATIONAL ATLAS ORGANISATION**

Calcutta-700019, the 3rd March 1976

No. 35/2/75-Estt.—Dr. K. S. Sivasami, permanent Senior Research Assistant of the National Atlas Organisation at present on deputation on foreign service terms as Assistant Professor in the Jawaharlal Nehru University, New Delhi is granted proforma promotion to the post of Scientific Officer in the National Atlas Organisation, with effect from 4-8-1975, until further orders.

S. P. DAS GUPTA
Director

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 25th February 1976

No. F.104-1/73-Estt./3782.—The following temporary Assistant Zoologists of the Zoological Survey of India are appointed in a substantive capacity as Assistant Zoologist, with effect from the dates shown against each of them:—

1. Shri T. Venkateswarlu—From 10-12-1975.
2. Dr. S. K. Mitra—From 10-12-75.
3. Shri K. N. Nair—From 10-12-75.
4. Dr. J. M. Julka—From 10-12-75.
5. Dr. Mammen Koshy—From 10-12-75.
6. Dr. C. B. Srivastava—From 10-12-75.
7. Dr. G. M. Yazdani—From 10-12-75.
8. Shri P. K. Das—From 10-12-75.
9. Dr. Amal Bhattacharyya—From 24-1-76.
10. Shri M. K. Biswas—From 24-1-76.
11. Shri K. V. Surya Rao—From 24-1-76.
12. Shri S. Chakrapany—From 24-1-76.
13. Shri Y. Chaturvedi—From 24-1-76.
14. Dr. R. K. Kacker—24-1-76.
15. Km. Maya Deb—24-1-76.
16. Shri H. P. Agarwal—24-1-76.

DR. S. KHERA
Deputy Director-in-Charge,
Zoological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 8th March 1976

No. 2/4/75-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri K. V. Kuriacko in the cadre of Assistant Engineer in All India Radio in an officiating capacity at High Power Transmitter, All India Radio, Malad, Bombay with effect from 26-2-76 (FN), until further orders.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Admin.
for Director General

New Delhi, the 8th March 1976

No. A-31014/1/74-SVI(Vol.III).—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri R. S. Mansukhani, Assistant Engineer, since retired from service with effect from 19-12-75 (A.N.), substantively in the post of Assistant Engineer at High Power Transmitters, All India Radio, Kingsway, Delhi with effect from 20-5-72.

P. K. SINHA
Deputy Director of Administration,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 3rd March 1976

No. 33-2/75-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Dr. (Mrs.) Hema Lal, Junior Biochemist in the Safdarjang Hospital, New Delhi, retired from service with effect from the afternoon of the 31st January, 1976.

No. A. 32013/1/76-Adm.I.—The President is pleased to appoint Smt R. K. Sood, Nursing Officer, Directorate General of Health Services, New Delhi to the post of Nursing Adviser in the same Directorate with effect from the 26th December 1975 to the 28th February, 1976 vice Kumari A. Cherian, on leave.

Consequent on her appointment to the post of Nursing Adviser, Smt. R. K. Sood relinquished charge of the post of Nursing Officer in this Directorate on the forenoon of the 26th December, 1975.

The 8th March 1976

No. 10-8/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. Pratima Sengupta, to the post of Senior Analyst in the Central Food Laboratory, Calcutta, with effect from the 19th December, 1975, in a temporary capacity, and until further orders.

No. 17-4/75-Admn.-I.—The President is pleased to appoint Dr. N. Vijayakrishnan Nair to the post of Adviser (Nutrition) in the Directorate General of Health Services, New Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 18th February 1976 and until further orders.

CORRIGENDUM

No. 13-4/74-Admn.I.—For the words "afternoon of 12th September, 1975" occurring in this Dte's Notification No. 13-4/74-Admn.I, dated the 21st October, 1975, read "forenoon of 12th September, 1975".

No. 28-12/70-II-Admn.-I.—Consequent on the down-grading of the post of Deputy Director (L&A) to that of Assistant Director (Non-medical) in the National Malaria Eradication Programme, Delhi, Shri A. R. Nim, who was holding the post of Deputy Director (L&A) on an ad-hoc basis, has been reverted to the post of Assistant Director (Non-medical) on the afternoon of 7th February, 1976.

The 9th March 1976

No. 9-17/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Neena Puri (nee Suri) to the post of Speech Therapist at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the forenoon of 24th December 1975 in a temporary capacity and until further orders.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 6th March 1976

No. 20/6(2)/75-CGHSI.—Consequent on acceptance of her resignation Dr. (Mrs.) R. Radha Vijam G.D.O. Grade II (Ad hoc) relinquished charge of her post on 11-2-1976 (afternoon).

K. VENUGOPAL
Deputy Director Administration (CGHS)

**MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)
DIRECTORATE OF EXTENSION**

New Delhi, the 5th March 1976

F. No. 2(7)/70-Estt.(I).—Shri G. D. Gulati, Superintendent (Grade II) of the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation is promoted to officiate as Superintendent (Grade I), Class II (Gazetted) (Ministerial) with immediate effect, purely on *ad hoc* basis, and until further orders.

N. K. DUTTA
Director of Administration

(DEPARTMENT OF FOOD)
NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 27th February 1976

No. Estt. 3(1)/67-IV.—Shri R. B. Nigam is appointed substantively to the permanent post of Junior Technical Officer (Chemical Engg.) (G.C.S. Class II Gazetted) in the pay scale of Rs. 650—1200/- at the National Sugar Institute, Kanpur with effect from the forenoon of 19th September, 1973.

N. A. RAMAIAH
Director

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION
(NARORA ATOMIC POWER PROJECT)

Bombay-5, the 16th February 1976

No. NAPP/18/123/75-Adm./823.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. Venugopalan, a Stenographer Senior in the Bhabha Atomic Research Centre as Assistant Personnel Officer in the Narora Atomic Power Project in a temporary capacity on an initial pay of Rs. 650/- per month in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960/- with effect from November 24, 1975 (FN) until further orders.

N. G. PARULEKAR
Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 18th February 1976

Ref. No. HWPs/Ettt.1/D-3/1057.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects appoints Shri Kishorchandra Mathuradas Dhandha a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant of the Heavy Water Projects (Central Office), to officiate as Assistant Accounts Officer in the Heavy Water Project (Baroda) for a period of 90 days w.e.f. January 31, 1976 (FN) vice Shri C. R. Valia, Assistant Accounts Officer, repatriated to TAPS.

T. C. SATHYAKEERTHY
Senior Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 26th February 1976

No. AMD-2/800/59-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Sri Som Nath Sachdeva, permanent Assistant/officiating Superintendent of the Atomic Mineral Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity w.e.f. the afternoon of 6th December, 1975 and upto and including 29th February, 1976 afternoon.

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 4th March 1976

CORRIGENDUM

No. PRC-II-1(25)/72-P-445.—FOR THE WORDS 'स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक' appearing in the Hindi version of this Centre's Notification of even number dated the 10th January, 1976 READ 'अस्थायी प्रवरण कोटि लिपिक' !

K. SANKARANARAYANAN
Sr. Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 9th March 1976

No. E(1)05131.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. R. Seshadri, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras who was appointed to officiate as Assistant Meteorologist upto 18-2-76 vide this Department Notification No. E(1)05131 dated 5-2-76, to officiate as Assistant Meteorologist for a further period of forty nine days with effect from the forenoon of 19-2-76 to 7-4-76.

Shri Seshadri, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras

The 10th March 1976

No. E(1)05195.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri S. K. Das, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Eighty nine days with effect from the forenoon of 16-2-76 to 14-5-76.

Shri S. K. Das Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd March 1976

No. A.32014/2/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Relwani, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Bombay as Assistant Technical Officer on a regular basis with effect from the 9th February, 1976 (FN) and until further orders, and to post him at the same station.

The 4th March 1976

No. A.32013/4/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri B. Kar, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Calcutta as Technical Officer with effect from the 2nd Feb., 1976 (FN) on a regular basis in the office of the Regional Director, Calcutta.

The 5th February 1976

No. A. 32013/1/75-ES.—The President is pleased to appoint Shri N. John, working as Aircraft Inspector (ad hoc) in the office of the Controller of Aeronautical Inspection, Bombay on the regular basis with effect from 24-11-75, in the same office.

No. A. 32013/9/73-EC.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Verma, Technical Officer, in the office of the Director, Radio Construction and Development Units, New Delhi, to the Grade of Senior Technical Officer on ad hoc basis with effect from 17-10-1975 and until further orders, and to post him in the office of the Regional Director, Bombay.

The 8th March 1976

No. A.12025/3/71-ES.Vol.II.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Hari Mitra Phull as Assistant Aircraft Inspector with effect from the 9th January, 1976, in an officiating capacity and until further orders and to post him in the office of the Regional Director, Calcutta.

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 3rd March 1976

No. 1/401/76-EST.—Shri R. N. Saha, is appointed as Assistant Engineer in a temporary capacity in the Calcutta Branch with effect from the forenoon of the 29th December, 1975, and until further orders.

P. G. DAMLE
Director General

Bombay, the 5th March 1976

No. 1/339/76-EST.—The Mahanideshak, Videsh Sanchar Seva, hereby appoints, Shri P. P. Pillay, Paryaveshak, Madras Shakha as Up Pariyat Prabandhak, in an officiating capacity in the same Shakha for the period from 1-12-75 to 21-2-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

P. K. G. NAYAR
Dy. Director (Admn.),
for Director General.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 2nd March 1976

C. No. II(7)5-ET/75/1999.—Sri R. Miaz, officiating Superintendent Class II Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation with effect from 31-1-1976 (A.N.).

H. N. SAHU
Collector,
Central Excise, Patna

Nagpur-440001, the 2nd March 1976

No. 4/76.—Consequent upon his appointment as Officiating Superintendent of Central Excise, Class II, Shri N. D. Meshram, Inspector of Central Excise (S.G.) of Nagpur Collectorate has assumed charge as Superintendent, Central Excise, M.O.R. Satna, in the forenoon of 28-1-1976.

No. 5/76.—Consequent upon his appointment as Officiating Superintendent of Central Excise, Class II, Shri M. L. Khokute, Inspector, Central Excise (S.G.) of Nagpur Collectorate has assumed charge as Superintendent, Central Excise (Inspection Group) Gwalior Division, in the forenoon of 30-1-1976.

No. 6/76.—The undersigned regrets to notify the death of Shri B. P. Verma, Superintendent of Central Excise, Class II of Gwalior Division in Nagpur Collectorate on the 3rd January, 1976.

M. S. BINDRA
Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 8th March 1976

No. 1/76.—On reversion from Deputation with the Commission of Enquiry on Large Industrial Houses, Sh. P. K. Sen Gupta, assumed charge as Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Class I in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection, Customs & Central Excise, in the forenoon of the 26th February, 1976.

[C. No. 1041/13/76]

S. VENKATARAMAN
Director of Inspection

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 3rd March 1976

No. 27-E/D (2)/69-F.C.II.—The following Officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation have retired from Govt. service on 29-2-1976 (A.N.):—

Name	Present Designation
1. Shri S. K. Das	Executive Engineer, Valuation Unit No. 4, Income Tax Department, Calcutta.
2. Shri P. C. Sarkar	Executive Engineer, Valuation Unit No. 5, Income Tax Department, Calcutta.

P. S. PARWANI
Dy. Director of Admn.,
for Engineer-in-Chief.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 2nd March 1976

No. 6/2/76-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Laxmi Narain-I, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the forenoon of 16-2-1976.

No. 6/2/76-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Technical Assistants to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names until further orders :—

1. Shri B. K. Sarma—2-2-76.
2. Shri Subhash Chander—5-2-76.
3. Shri S. K. Aggarwal—5-2-76.
4. Shri S. S. Haider—6-2-76.
5. Shri J. K. Gupta—10-2-76.
6. Shri B. P. Manu—9-2-76.

S. BISWAS
Under Secy.

NORTHERN RAILWAY

HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 5th January 1976

No. 2.—The following officers of I.R.S.M.E. Department retired from Railway Service from the dates noted against each :—

- (1) Shri Kailash Nath, Dy. CME Hd. Qrs. w.e.f. 16-12-75 AN.
- (2) Shri D. P. Saxena, AME HQrs. Office w.e.f. 23-12-75 FN.

V. P. SAWHNEY
General Manager

SOUTH EASTERN RAILWAY
GENERAL MANAGER'S OFFICE

Calcutta-700043, the 3rd March 1976

No. P/G/Med/Conf/Pt.III.—Dr. M. C. Mullick, Officiating Assistant Medical Officer (Class II) is provisionally confirmed in that appointment in the Medical Department of this Railway with effect from 2nd February 1966.

The order of seniority is to be treated as provisional.

M. MENEZES
General Manager

DEPARTMENT OF COMPANIES AFFAIRS
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
V. Paul de Souza (Feeds) Private Limited*

Goa, the 27th February 1976

No. 130/G.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the V. Paul De Souza (Feeds) Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

D. R. GHAROTE
Registrar of Companies
Goa, Daman & Diu

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
M/s R.M.D.C. (Mysore) Private Limited*

Bangalore, the 1st March 1976

No. 580/560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s R.M.D.C. (Mysore) Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Sri Krishna Agencies Private Ltd.*

Bangalore, the 3rd March 1976

No. 1227/560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sri Krishna Agencies Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Ladwas Private Ltd.*

Bangalore, the 3rd March 1976

No. 469/560/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the

name of M/s Ladwas Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

PROBODH
Registrar of Companies,
Karnataka.

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
Technograph Corporation (India) Private Ltd.*

Delhi, the 5th March 1976

No. 2227/3961.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Technograph Corporation (India) Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

M. M. S. JAIN
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
Kapoors & Kapoor Private Ltd.*

Delhi, the 5th March 1976

No. 4502/493/4007.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kapoor & Kapoor Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. KAPOOR
Asstt. Registrar of Companies, Delhi

*In the Matter of Companies Act, 1956 and of
Assam Banking Corporation Limited.*

Shillong, the 8th March 1976

No. 641/560/5887.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of Assam Banking Corporation Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. P. VASHISHLLIA
Registrar of Companies,
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura,
Nagaland, Arunachal Pradesh and
Mizoram, SHILLONG.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

(1) Smt. Mukta Sinha w/o Shri Shailendra Prakash Singh,
r/o Edward House, Arrah (Bihar).

(Transferor)

(2) Shri Shatruघna Prashad Sinha, s/o
Shri Bhuvneshwar Prashad Sinha,
r/o "Ramayan" 9th floor, Juhu, Ville Parle
Scheme, Bombay-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/ /Oct. II(19)/75-76.—
Whereas, I, C. V. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kh. No. 7/15, 6/11, 6/12, 21/20 situated at Vill. Jonapur, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-10-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A plot of agricultural land bearing No. Khasra No. 7/15, 6/11, 6/12, 21/20 and measuring 15 Bighas 4 Biswas situated in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Uma Sinha, W/o Baleshwar Pershad,
r/o "Avakash" Chhaju Bagh, Patna (Bihar).
(Transferor)

(2) Shri Shatrughna Prashad Sinha, s/o
Shri Bhuvneshwar Prashad Sinha,
r/o "Ramayan" 9th floor, Juhu, Ville Parle
Scheme, Bombay-54.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/Oct.II(21)/75-76.—Whereas,
I, C. V. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 5, 6, 6/21 1 2
situated at Vill. Jonapur, Teh. Mehruli, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on 24-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the 'said Act' shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of agricultural land bearing Khasra No 5/21, 6/1,
6/2 and measuring 7 Bighas 11 Biswas situated in Village
Jonapur Tehsil Mehrauli, Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Renuka Sinha w/o Shri Satya Deva
Prakash Sinha,
r/o Edward House, Arrah (Bihar).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/ /Oct.II(17)/75-76.—
Whereas, I, C. V. GUPTE,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 7/25, 6/21, situated at Vill. Jonapur, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-10-1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

10—6GT/76

(2) Shri Shatrukhna Prashad Sinha, s/o Shri Bhuvneshwar Prashad Sinha, r/o "Ramayan" 9th floor, Juhu, Ville. Parle Scheme, Bombay-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of agricultural land bearing No. Khasra No. 7/25 & 6/21 and measuring 9 Bighas 9 Biswas situated in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS —

(1) Smt. Uma Sinha, w/o Sh. Baleswar Prashad,
r/o "Avakash" Chhaju Bagh, Patna (Bihar),
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/ /Oct. II/(22)/75-76.—
Whereas, I, C. V. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 6/9, 6/10, 4/25, & 7/5 situated at Vill. Jonapur, Teh. Mehrauli, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Shatrughan Prashad Sinha, s/o Shri Bhuvneshwar Prashad Sinha, r/o "Ramayan" 9th floor, Juhu, Ville. Parle Scheme, Bombay-54.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of agricultural land bearing Khasra No. 6/9, 6/10, 4/25 & 7/5 and measuring 13 Bighas 3 Biswas situated in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajinder Pal Chopra, s/o
Shri Bal Mukand Chopra
r/o 41 Sector 27-A, Chandigarh (Pb).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sukh Sagar Dhingra s/o
Shri Bhagwan Das Dhingra, r/o
F-3/15, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/(15)/July-1/VC182.—Whereas,
I, C. V. GUPTE,
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immoveable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(1) of N-133,
situated at Greater Kailash, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 4-7-1975,
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Plot N-133 measuring 154 sq. yds. situated in
the colony known as Greater Kailash, New Delhi area of
Village Zamarpur Delhi State, Delhi, and bounded as
under :—

North : Road
South : S. Lane
East : Plot No. N-135
West : Plot No. N-131.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/1014/Nov. II/3/VC164/75-76.—
Whereas, I, C. V. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
W-151, situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 19-11-1975,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Bir Singh s/o
Late Shri Attar Singh, r/o
A/7, Greater Kailash-II, New Delhi-48.
(Transferor)

(2) S/Shri Amrit Lal Chopra, Vijay Kumar Chopra
sons of Shri C. L. Chopra,
r/o Chopra Bhawan, 287, Young Road,
Asansol (W. Bengal).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 542.5 sq. yds bearing No. W-151 situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi in the Union Territory of Delhi State and within the limit of Delhi Municipal Corporation and is bounded as under :—

East : Road
West : Service Lane
North : W/149
South : Plot No. W/153.

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajinder Pal Chopra s/o
Shri Bal Mukand Chopra,
r/o 41, Sector 27A, Chandigarh (Pb).

(Transferor)

(2) Shri Virender Kumar Dhingra s/o
Shri Bhagwan Dass Dhingra, r/o
F-3/15, Krishan Nagar, Delhi-57.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/(16)July-I/VC181/75-76.—Whereas,
I, C. V. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(½ of) Plot No. N-133
situated at Greater Kailash, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 4-7-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Plot No. N-133 measuring 154 sq. yds situated in the colony known as Greater Kailash, New Delhi area of Village Zamarudpur, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : Road
South : S. Lane
East : Plot No. N-135
West : Plot No. N-131.

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 16-2-1976
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. Renuka Sinha, W/o Sh. Satya Deva Prakash
Sinha, r/o Edward House,
Arrah (Bihar).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shatrughna Prashad Sinha, s/o
Sh. Bhuvneshwar Prashad Sinha,
r/o "Ramayan" 9th floor, Juhu, Ville, Parle
Bombay-54.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/ /Oct.II/(18)/75-76.—
Whereas, I, C. V. GUPTE,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 7/16, 6/20

situated at Vill. Jonapur, Teh. Mehrauli, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-10-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of agricultural land bearing Khasra No. 7/16 & 6/20 and measuring 9 Bighas 14 Biswas and situated in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1976

Ref. No. ASR/270/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 12, situated at Shivala Bhaian Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in July 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Baljit Singh s/o
Sh. Kulbir Singh,
r/o Kothi No. 21, Amritsar Cantt. and
Smt. Sunit Kaur D/o
Late Major Vir Singh,
r/o C-399 Defence Colony, New Delhi
through Dr. Ranbir Singh s/o
Late Dr. Ranbir Singh s/o
Late Dr. Sohan Singh,
Kothi No. 21, Amritsar Cantt.

(Transferor)

(2) M/s Care Home, Shivala Road, Amritsar through Kanwar Balkar Singh s/o Kharak Singh its sole proprietor.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12, Shivala Bhaian Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1287 of July, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1976

Ref. No. Phg/271/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land
 situated at Near Mohalla Prem Nagar, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in July 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Atar Singh, s/o
 Shri Amar Singh Jat, r/o
 Phagwara GA of Sh. Hazara s/o
 Shri Jaimal Jat, Khera Road,
 Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Mahabir Parshad s/o
 L. Mul Chand s/o Sh. Kaurji Mal Aggarwal,
 Grain Market, Phagwara.
 Smt. Parsini Devi w/o Lakhmi Chand s/o
 Sh. Kaurji Mal, Phagwara.
 Sh. Madan Lal s/o Shri Kaurji Mal, s/o
 Sh. Ramgopal Aggarwal,
 Phagwara.
 Shri Ram Partap s/o Mul Chand, s/o
 Kaurji Mal, Grain Market, Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
 [Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated in Mohalla Prem Nagar, Khera Road, Phagwara as mentioned in the registered Deeds Nos. 963, 964, 965 & 966 of July, 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1976

Ref. No. ASR/272/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at V. Gilwali Tarn Taran Rd, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar (Tehsil) in July 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely—
11—6GI/76

(1) Shri Sardar Singh Bhinder s/o
Shri Lachman Singh s/o
Shri Khushal Singh,
92-H The Mall, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Singh s/o
Shri Sohan Singh Arora.
Kairon Market, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by the other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in Village Gilwali, Tarn Taran Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4361 of July, 1975 of the Registering Authority, Amritsar (Tehsil).

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-3-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sardar Singh Bhinder s/o
Shri Lachman Singh s/o
Shri Khushal Singh,
92-H The Mall, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajinder Singh s/o
Shri Sohan Singh Arora,
Kairon Market, Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ASR/273/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land situated at V. Gilwali Tarn Taran Rd, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Amritsar (Tehsil) in July 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot of land in Village Gilwali, Tarn Taran Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4362 of July, 1975 of the Registering Authority, Amritsar (Tehsil).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-3-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sardar Singh Bhinder s/o
Shri Lachman Singh s/o
Shri Khushal Singh,
92-H The Mall, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 11th March 1976

Ref. No. ASR/274/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land

situated at V. Gilwali Tarn Taran Rd, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar (Tehsil) in July 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Shri Kuldip Singh s/o
Shri Sant Singh Arora,
Kairon Market, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in Village Gilwali, Tarn Taran Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4360 of July, 1975 of the Registering Authority, Amritsar (Tehsil).

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-3-1976

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Raj Kumar, 3-2-350 at Chappal Bazar,
Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th March 1976

- (2) 1. Smt. Jana Bai w/o Satyanarayana
H. No. 14-9-121 at Chudibazar,
Hyderabad.
2. Sri Vishwanatham, S/o Veeraiah,
H. No. 14-9-121 at Chudibazar,
Hyderabad.

(Transferee)

- (3) M/s. Hyderabad Handi Crafts, Emporium,
Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Portion of ground floor Shop bearing No. 4-1-938/R-20 at Tilak Road, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 8-3-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pushpalatha Bai, W/o Shiv Charan,
21-2-547 at Charkaman, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th March 1976

Ref. No. RAC. No. 292/75-76.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-1-938/R-13,
situated at Tilak Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-7-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, by the following person, namely :—

(2) Shri R. C. Kapadia, Kamats Toy, Emporium,
Abid Road, Hyderabad.
(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Ground floor bearing No. 4-1-938/R-13 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shobha Bai w/o Giriraj Charan,
H. No. 21-2-547 at Charkaman,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sarla Eshwarlal Gaglani,
R/o Jeera, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th March 1976

Ref. No. RAC. No. 294/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-1-938/R-11, situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Ground floor of house m. No. 4-1-938/R-11 and R. 9 at Tilak Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 8-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kailash Charan,
H. No. 21-2-47 at Charkaman,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

- (2) 1. Murarilal Nabbaja,
2. Ramesh Kumar Nabbaja by guardian
Sri M. Nabbaja,
3. Subash Kumar Babbaja, by guardian
Sri M. Nabbaja,
H. No. 21-2-417/1 at Shakar Kota,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

Hyderabad, the 8th March 1976

Ref. No. RAC. No. 296/75-76.—Whereas, I, K. S.
VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

4-1-938/R-15,
situated at Tilak Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 23-7-1975,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen percent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'Said
Act' shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Ground floor of Shop No. 4-1-938/R-15 at Tilak
Hyderabad.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-
tax Act 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the
'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the
following persons namely:—

Date: 8-3-1976
Seal:

FORM ITNS

(1) Smt. Rukmini Bai, 21-2-547 at Charkaman,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Radhey Shyam,
21-2-496 at Mitti ka Sher,
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publications of this notice in the Official
Gazette.

Ref. No. RAC. No. 297/75-76.—Whereas, I, K. S.
VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-938/R-14
situated at Tilak Road, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Hyderabad on 22-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Property : Portion of ground floor Shop No. 4-1-938/R-14
Tilak Road, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the Said Act to the following per-
sons, namely :—

Date : 8-3-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harikishen,
Rajasthan Bhavan, Darushfa,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Drowpadi Devi, W/o Puranmal Agarwal,
14-2-332/1 at Gyan Bagh Colony,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 8th March 1976

Ref. No. RAC. No. 298/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-277 & 278 situated at Ram Bagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-7-1975, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—
12—6GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Bearing No. 5-8-277 and 278 at Rambagh,
Hyderabad.
Area: 447 Sq. Yds. open land.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 8-3-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri G. Ramachander Rao,
R/o Madavanagar-Village, (Post) Nizamabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th March 1976

Ref. No. RAC. No. 299/75-76.—Whereas, I. K. S VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2/782 to 784
situated at Madhavanagar, Village, Nizamabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Nizamabad on 19-7-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Smt. A. Sathyavathi, W/o A. Madhav Rao,
D. No. 2/782 at Madhavanagar-Post.
Nizamabad Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act',
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : D. No. 2/782 to 2/784 at Madhavanagar Post,
Nizamabad Dist.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Tasmeen Ahmad
Mohd. Khalcelullah; Haramatullah;
Smt. Sakina Begum;
all are residing at 7/1/616, Ameerpet
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No. 300/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 235, situated at Ameerpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 19-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(2) M/s. Sunrise Co-operative Housing Society Ltd., 6-3-612/4, Anandnagar, Hyderabad, represented by Sri K. R. K. Prasad, Vice President.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open piece of land admeasuring 1037 sq. yds. forming part of Survey Nos. 235 situated at Ameerpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Syed Imamuddin 9-1-616 Amcerpet,
Hyderabad.
2. Md. Kheleelullah
3. Md. Karamatullah
4. Smt. Khatima Begum,
7-1-616, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Sunrise Coop House, Society Ltd.
6-3-612/4 Anand Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No. RAC 301/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of S. No. 14 & 235 situated at Ameerpet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 19-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open piece of land admeasuring 1016 sq. yds at forming part of S. No. 14 & 235 Ameerpet, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No. RAC 302/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 243 & 247
situated at Ameerpet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 19-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Naseem Jehan Begum,
S/Sri Mohd. Khaleelullah; Mohd. Haramatullah;
Smt. Sakina Begum,
all are residing at 7/1/616, Ameerpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Sunrise Co-operative Housing Society Ltd.,
6-3-612/4, Anandnagar, Hyderabad, represented by
Sri K. R. K. Prasad, Vice President.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open piece of land admeasuring 48860 sq. yds. forming part of Survey Nos. 243 & 247 situated at Ameerpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No. RAC. 303/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
247, situated at Ameerpet
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Khairatabad on 19-7-1975,
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the 'said
Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the
following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Nameedussa Begum w/o Md. Karamatullah
2. Md. Khaleelullah
3. Md. Karamatullah
4. Smt. Sokina Begum
all residents of 7/1/616 Ameerpet,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Sunrise Co-operative Housing Society Ltd.,
6-3-612/4, Anandnagar, Hyderabad, represented by
Sri K. R. K. Prasad, Vice President.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open piece of land admeasuring 4879 sq. yds in S. No.
247, Ameerpet Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No. RAC 304/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing S. No. 16 & 66 situated at Ameerpet, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 19-7-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shrimati Banu Begum d/o Mohd. Khaleclullah, 7.1.616 Ameerpet, Hyderabad.
2. Mohd. Khaleclullah s/o Nawab Raha Mat Yar Jung, 7.1.616 Ameerpet, Hyderabad.
3. Mohd. Karamtullah Khan s/o Raha Mat Yar Jung, 7.1.616 Ameerpet, Hyderabad.
4. Smt. Sakina Begum w/o Nawab Raha Mat Yar Jung, 7.1.616 Ameerpet, Hyderabad.
(Transferor)

- (2) M/s. Sunrise Co-operative Housing Society Ltd., 6-3-612/4, Anandnagar, Hyderabad, represented by Sri K. R. K. Prasad, Vice President.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1003 sq. yds forming Part of S. No. 16 and 66 Ameerpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Sri Mohd. Khaleelullah; Mohd. Haramatullah;
Smt. Sakina Begum;
all are residing at 7/1/616, Ameerpet, Hyderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

(Transferee)

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No. 305/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of S. Nos. 11, 13, 235, 14, 236, 243 & 247 at Ameerpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 20-7-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(2) M/s. Sunrise Co-operative Housing Society Ltd., 6-3-612/4, Anandnagar, Hyderabad, represented by Sri K. R. K. Prasad, Vice President.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open piece of land admeasuring 22731 sq. yds forming part of Survey Nos. 11, 13, 14, 235, 236, 243 & 247 Ameerpet, situated at Ameerpet, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Amatul Rahim w/o late Nawab Wahib Munawar Khan, Munirbagh, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No. 306/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 141, 142 & 143, situated at Shaikpet Village (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 15-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—6GI/76

- (2) The Ideal Co-operative Housing Society Ltd.,
3-5-804/2/B, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land admeasuring 2 acres 15 guntas known as Block-A, Part of Survey Nos. 141, 142 & 143 situated at Shaikpet village, Hyderabad (9-4-86 known as 'Muneer Bagh' at Toli Chowk).

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Smt. Amatul Rabim w/o late Nawab Wahib Munawar Khan, Munirbagh, Hyderabad.
(Transferor)

(2) The Ideal Co-operative Housing Society Ltd.,
3-5-804/2/B, Hyderguda, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No. 307/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATA-

RAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 141, 142 & 143 situated at Sheikpet Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 15-7-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land admeasuring 2 acres 17 guntas and 107 sq. yds. known as Block-B, Part of Survey Nos. 141, 142 & 143 situated at Shaikpet village, Hyderabad (M. No. 9-4-86) known as "Muneer Bagh" at Toli Chowk.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Amatul Rahim w/o late Nawab Wahib Munawar Khan, Munirbagh, Hyderabad.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) The Ideal Co-operative Housing Society Ltd.,
3-5-804/2/B, Hyderguda, Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No. RAC 308/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 141, 142 & 143, situated at Shaikpet Village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Khairatabad on 15-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land admeasuring 2 acres 18 guntas and 86 sq yds. or 9913.52 sq. metres known as Block-D, Part of Survey Nos. 141, 142 & 143 situated at Shaikpet village, Hyderabad Municipal D. No. 9-4-86) known as "Muneer Bagh" at Toli Chowk.

North : Main Road
South : Block "E"
East : Block "C"
West : Neighbour's land.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Amatul Rahim w/o late Nawab Wahib Munawar Khan, Munirbagh, Hyderabad.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

(2) The Ideal Co-operative Housing Society Ltd..
3-5-804/2/B, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No RAC. 309/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 141, 142 & 143, situated at Sheikpet Village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 15-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land admeasuring 2 acres 18 guntas and 86 sq yds. or 9913.52 sq. metres known as Block-C, Part of Survey Nos. 141, 142 & 143 situated at Shaikpet village, Hyderabad (Municipal D. No. 9-4-86) known as "Muneer Bagh" at Toli Chowk,

North : Main Road
South : Block "E"
East : Block "C"
West : Neighbour's land.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Amatul Rahim w/o late Nawab Wahib Munawar Khan, Munirbagh, Hyderabad
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No. RAC 310/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Nos. 141, 142 & 143 situated at Sheikpet Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 15-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) The Ideal Co-operative Housing Society Ltd., 3-5-804/2/B, Hyderguda, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land admeasuring 2 acres 13 guntas and known as Block-G, Part of Survey No. 141; 142; 143 situated at Shaikpet village, (D. No. 94-86) known as "Munir Bagh" at Toli Chowk, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Amatul Rahim w/o late Nawab Wahib Munawar Khan, Munirbagh, Hyderabad
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No. 311/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 141, 142 & 143 situated at Sheikpet Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on July 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(2) The Ideal Co-operative Housing Society Ltd.
3-5-804/2/B, Hyderguda, Hyderabad
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land admeasuring 2 acres 17 guntas and 111 sq. yds. or 9833.84 sq. metres known as Block-F, Part of Survey No. 141; 142; 143 situated at Shaikpet village, (M. No. 9-4-86 known as Munir Bagh at Toli Chowk, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Amatul Rahim w/o late Nawab Wahib Munawar Khan, Munirbagh, Hyderabad
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) The Ideal Co-operative Housing Society Ltd.,
3-5-804/2/B, Hyderguda, Hyderabad
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No. 312/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 141, 142 & 143
situated at Sheikpet Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on July 1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land admeasuring 2 acres 5 guntas and — sq. yds. or — sq. metres known as Block-E, Part of Survey No. 141; 142; 143 situated at Shaikpet village, M. No. 94-86) known as "Munir Bagh" at Toli Chowk, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Amatul Rahim w/o late Nawab Wahib Munawar Khan, Munirbagh, Hyderabad
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No. 313/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 141, 142 & 143 situated at Sheikpet Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Khairatabad on July 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(2) The Ideal Co-operative Housing Society Ltd.,
3-5-804/2/B, Hyderguda, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land admeasuring 2 acres 9 guntas and — sq. yds. or — sq. metres known as Block-H, Part of Survey No. 141; 142; 143 situated at Shaikpet village, (D. No. 9-4-86) known as "Munir Bagh" at Toli Chowk, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Amatul Rahim w/o late Nawab Wahib Munawar Khan, Munirbagh, Hyderabad
(Transferor)

(2) The Ideal Co-operative Housing Society Ltd.,
3-5-804/2/B, Hyderguda, Hyderabad.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th March 1976

Ref. No. 314/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
141; 142 & 143
situated at Seikpet village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Khairatabad on July 1975
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

14—6GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land admeasuring 2 acres 14 guntas and sq.
yds, or 9533 sq. metres known as Block-I, Part of Survey
No. 141, 142 and 143 situated at Shaikpet village, (M. No.
9-4-86 known as 'Munir Bagh' at Toli Chowk, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 10-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Eramma w/o A. Amaranus,
House No. 15-9-419, Mahaboobgunj,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. R.A.C. 315/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, I.A.C., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

17-1-199, situated at Saidabad Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on 15-7-1975, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land & tin shed No. 17-1-199 (admeasuring 2,360 sq. yds) situated at Saidabad, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Date : 12-3-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. M. Subba Rao,
D. 13, Medical Staff Quarters,
Visakapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. R.A.C. 316/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, I.A.C. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 6 situated at Sriramnagar, near Masab Tank, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 31-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

(2) Mrs. Lakshminarasamma
Mr. R. S. Sudhakar,
'Anuradha' 7/8, Sriramnagar colony,
near Masab Tank,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6 admeasuring 1130 square yards in Sriramnagar Masab tank, Hyderaaad-28, Block No. III Circle No. 4.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. R.A.C. 317/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, I.A.C. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/31 to 2/34, situated at Madanapur, Mahaboobnagar Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wanaparthy on 15-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri K. Viswanathah s/o Late K. China Balaswamy
2. Shri K. Pandurangaiah s/o Late K. China Balaswamy
3. Shri K. Sriramulu s/o Late K. China Balaswamy
Wanaparthy Road, R/o Madanapur.
4. Illori Chandraiah s/o I. Chennakistaiah
5. Illori Suryaprakash s/o I. Chennakistaiah
6. Illori Vijayakumar s/o I. Chennakistaiah
4-1-306/4, Troop Bazaar,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Bheema Krishnaiah
Taluk.
2. Bheema Pandurangaiah
R/o Madanapur, Wanaparthy Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice & Oil Mill (bearing No. 2/31 to 2/34) situated at Madanapur village, Wanaparthy Taluk, Mahaboobnagar district.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. R. Lakshmibai w/o Satyanarayana
Suryapet, Nalgonda district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. R.A.C. 318/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing No. 4-2-1/2, situated at Peddapalli, Karimnagar district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Peddapalli on 15-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(2) Kumari Vemula Vijayalakshmi d/o Ramanaiah, minor represented by guardian Vemula Ramanaiah, Peddapalli, Karimnagar district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing (Old No. 5-5-9) New 4-2-1/2, situated at Manthani to Karimnagar road, Peddapalli, Karimnagar district.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Y. Adinarayana Reddy, M.L.C.,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. N. S. S. Mani, 7-1-621/261,
Sanjeeva Reddy Nagar,
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. 319/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-621/261

situated at Sanjeeva Reddy Nagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 15-7-1975,

for an apparent consider-

ation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following person, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Number 7-1-621/261 situated at Sanjeeva Reddy Nagar Hyderabad (Ground Floor) on site admeasuring 600 sq. yds.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Y. Adinarayana Reddy, M.L.C.,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Nama Peter, 7-1-621/261.
Sanjeeva Reddy Nager,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. 320/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
7-1-621/261
situated at Situa Sanjeevareddi Nagar, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Khairatabad on July, 1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor of the property bearing No. 7-1-621/261
Snajeeva Reddinager, Hyderabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. R.A.C. 321/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,
 being the Competent Authority
 under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')
 have reason to believe that the immovable property,
 having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. Open land in S. No. 35, Somajiguda, Hyderabad (Old D. No. F-2-661)
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the
 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Khairatabad on 18-7-1975,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated
 in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' 5, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri P. N. Narasinga Rao,
 2. R. Butchamma,
 represented by G.P.A. holder Shri N. Lakshminarayana Rao, Orkudu village, Madras.
 (Transferor)

(2) 1. Shri N. V. Narasamma
 2. Smt. S. Kamala,
 6-3-354/12, Hindinagar Colony, Punjagutta,
 Hyderabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land (admeasuring 800 square yards) in S. No. 35, (Old Door No. F-2-661) situated at Somajiguda, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-3-1976
 Seal:

FORM ITNS

(1) Shri A. S. Ganapathi Iyer, 6-3-852/2 at Ammeerpet,
Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. RAC. No. 322/75-76.—Whereas, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-85/2-3 situated at Ammeerpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 6-3-85/2-3 situated at Ammeerpet, Hyderabad for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri C. V. Subba Reddy,
5/3 R.T. M.I.G.H. Board, Punjagutta,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property all that portion of land in the compound of House, M. No. 6-3-85/2-3 at Ammeerpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—6GI/76

Date : 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Syed Ahmed s/o late Syed Alidulli, Saheb,
R/o Chhattabazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Mukeshkumar s/o Mahaveerpershad,
H. No. 22-8-586/1 at Chhattabazar,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. RAC. No. 323/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-8-587/1, situated at Chhattabazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property : House No. 22-8-586/1 at Chhattabazar, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Syed Ahmed s/o late Syed Abdulla, H. No. 22-8-588 at Chhattabazar, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Mahadev Prashad s/o Sri Ramanand H. No. 15-1-564 at Siddiamber Bazar, Hyderabad.

(Transeree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. RAC. No. 324/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-8-587/1 situated at Chhattabazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 22-8-587 at Chhattabazar, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Syed Ahmed s/o late Syed Abdullah, Residing at 22-8-588, Chhattabazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sawant Ram s/o late Shri Prabhudayal, residing at Suddiamber Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. R.A.C. 325/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-8-587/2 to 587/4 situated Chhattabazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House bearing No. 22-8-587/2 to 587/4, situated at Chatta Bazar, Bagh Baradari Salarjung, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Syed Ahmed s/o Syed Abdullah, H. No. 22-8-588
at Chhattabazar, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ravinder Kumar s/o Sri Binodilal
House No. (Minor) R/o Siddiembar Bazar,
Hyderabad.
(Transeree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. RAC. No. 326/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-8-587/1 situated at Chhattabazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 5-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 22-8-587/1 at Chhattabazar, Hyderabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Syed Ahmed s/o late Syed Abdullah, Residing at 22-8-588, Chatta Bazar, Hyderabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mahesh Chand, son of late Shri Prabhudayal, Siddiamber Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. R.A.C. 327/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-8-587/6 to 9 situated at Chatta Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 5-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Door No. 22-8-587/6 to 9, Chatta Bazar, Bagh Bara Dari, Salarjung, Hyderabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Date : 12-3-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. Venkataswamy son of Venkatashaiyah,
Kurnool Peta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. P. Lakshmi Reddy w/o Obul Reddy,
residing at Yellala village, Nandikotkur taluk,
Kurnool Dt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

(3) Superintendent of Central Excise, Kurnool.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 12th March 1976

Ref. No. R.A.C. 329/75-76.—Whereas, I, K. S.
VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

40/790-11 situated at Kurnool Peta
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kurnool on 15-7-75

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as
are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Door No. 40/790-11 (Northernside portion)
situated at Kurnool Peta, Kurnool.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri C. N. Shastry,
residing at 3-5-824, Bashir Bagh,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

- (2) 1. Dr. Shamcem Sulhana wife of M. Ahmed, 5-7-300 Aghapura, Hyderabad.
- 2. Mustafa Ahmed son of Abdul Rauf Ahameed, 5-7-300 Aghapura, Hyderabad.
- 3. Smt. Ayesha Begum w/o Syed Yousufuddin, 11-3-957, Mallepalli.
- 4. Smt. Razia Sulhana w/o Syed Ziauddin, 11-3-957, Mallepalli.
- 5. Syed Saifuddin Azher s/o Syed Yousufuddin, 11-3-957, Mallepalli.
- 6. M. K. Moinuddin s/o late Mohd Hayath, 14-1-214, Sitharampet, Hyderabad.

(Transferee)

Hyderabad, the 12th March 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. R.A.C. 330/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open land situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed here-to has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar, Hyderabad on 25-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot admeasuring about 2100 square yards situated at Red Hills in Ward No. 5, (Govt. Officers Co-op. Housing Society), Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-3-1976

Seal :

FORM ITNS.

(1) Indu Bhushan Beed.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dipali Hazra & Namita Hazra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 5th March 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-115/C-119/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 51/1 & 51/2 situated at Nirmal Chandra Sen St., and 1, Chaitan Sen Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 31-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share of partly two and partly one storeyed building together with land of 4 Cottahs 15 Chhitaks & 19 sq. ft. at 51/1, 51/2, Nirmal Chandra Sen Street and 1, Chaitan Sen Lane, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 5-3-1976

Seal :

